सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

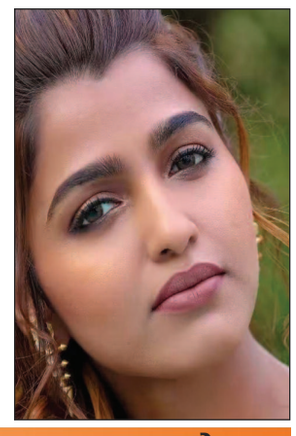

बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास पेज: 7

'योगी दा में साई धनशिका ने खुद किए दमदार स्टंट पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 298 | शनिवार 07 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

पैतृक गांव के दौरे के दौरान भावुक हुईं राष्ट्रपति मुर्मू, सिमिलिपाल जंगल में बिताएंगी रात

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बृहस्पतिवार को ओडिशा के मयूरभंज जिले के अपने पैतृक गांव में दिवंगत पति श्याम चरण मुर्मू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते समय भावुक हो गईं। ओडिशा के छह दिवसीय दौरे पर आईं राष्ट्रपति ने अपने गांव पहाड़पुर का दौरा किया और दिवंगत पति तथा दोनों पुत्रों लक्ष्मण व सिपुन की स्मृति में बने एसएलएस मेमोरियल पहुंचीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने व्यक्तिगत जीवन में कई त्रासदियों का सामना किया है। वर्ष 2009 में उनके बेटे लक्ष्मण, 2012 में बेटे सिपुन और 2014 मेंपति की मृत्यु हो गई। इसी अवधि में उनकी मां और एक भाई का भी निधन हो गया था। एसएलएस मेमोरियल में एक आवासीय विद्यालय संचालित किया जा रहा है, जहां आदिवासी, वंचित और अनाथ बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जाती है। पिछले कुछ दिन में राष्ट्रपति ने अपने दिवंगत परिजन की आत्मा की शांति के लिए

परीक्षा पे चर्चा 2026: 'सलाह सबकी सुनें, पर भरोसा खुद पर रखें', पीएम मोदी ने छात्रों को दिया सफलता का 'मूल मंत्र'

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7लोक कल्याण मार्ग (लाइन किमी) पर 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस बार पीएम का जोर केवल परीक्षा में अंक लाने पर नहीं, बल्कि 'मेक इन इंडिया' की भावना को अपनाने और जीवन के सर्वांगीण विकास पर रहा। परीक्षा पे चर्चा 2026 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर जोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग (लाइन किमी) आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने

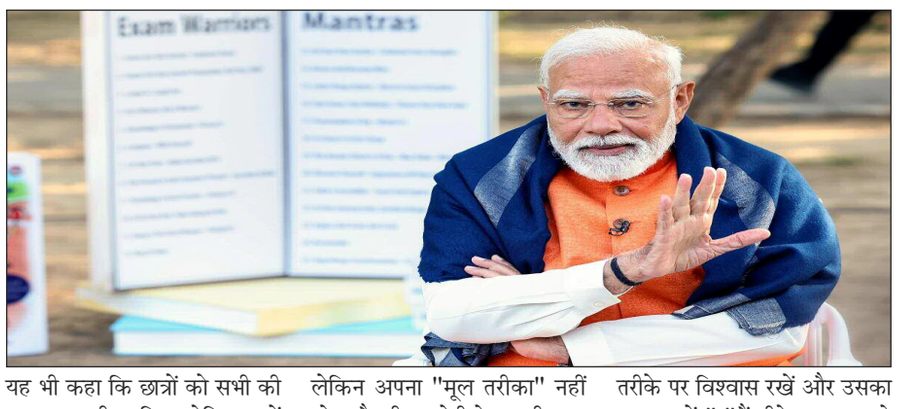

यह भी कहा कि छात्रों को सभी की सलाह सुननी चाहिए, लेकिन उन्हें हमेशा अपने तरीके से काम करना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि भले ही वह प्रधानमंत्री बन गए हैं, फिर भी लोग उन्हें सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने काम करने के तरीके में कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन अपना "मूल तरीका" नहीं छोड़ा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य सफलता हासिल करना नहीं होना चाहिए और ध्यान सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए। उन्होंने कहा, "आपके माता-पिता, या शिक्षक, या दोस्त कुछ भी कहें, आप सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए अपने तरीके पर विश्वास रखें और उसका पालन करें।" "मैं बीते हुए कल को नहीं देखता, मैं हमेशा आने वाले कल को देखता हूं... कई बार शिक्षक सिर्फ. वही पढ़ाते हैं जो महत्वपूर्ण होता है और जिससे आपको अच्छे नंबर मिल सकें, लेकिन एक अच्छा शिक्षक सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है और सब कुछ सिखाता है।"

उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को 'मेक इन इंडिया' और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पर जोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) आवास पर 'परीक्षा पे चर्चा' (पीपीसी) के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की।

पीएम मोदी का एआई पर जोर छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को एआई का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन यह हमेशा उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद नहीं करेगा। जब एक छात्र ने उन्हें बताया कि वह गेम डेवलपर बनना चाहता है, तो पीएम मोदी ने कहा कि गेमिंग एक स्किल है, लेकिन गेमिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि गेमिंग एक स्किल है और इसका इस्तेमाल सतर्कता जांचने और आत्म-विकास के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि भारत में इंटरनेट सस्ता हो गया है, और बताया कि उनकी सरकार ने सट्टेबाजी के खिलाफ कानून बनाया है। उन्होंने कहा, "आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, लेकिन सिर्फ. इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है। मजे के लिए ऐसा न करें। जो लोग पैसे के लिए गेमिंग करते हैं, वे बर्बाद हो जाएंगे। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है।" परीक्षा पे चर्चा 2026 इस साल परीक्षा पे चर्चा का नौवां एडिशन आयोजित किया गया - जो पहली बार 2018 में हुआ था - जिसे संसद के बाल योगी ऑडिटोरियम में भी दिखाया गया। दिल्ली के अलावा, इसे असम के गुवाहाटी, छत्तीसगढ़ के रायपुर, तमिलनाडु के कोयंबटूर और गुजरात के देव मोगरा में आयोजित किया गया। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस साल परीक्षा पे चर्चा के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों सहित 4.5 करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था।

योगी आदित्यनाथ का हरिद्वार से बड़ा बयान- यूपी में न दंगे, न कर्फ्यू; अर्थव्यवस्था में बना मिसाल

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। न कर्फ्यू है, न दंगे, उत्तर प्रदेश में अब सब कुछ ठीक है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ

धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है। हमने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है। हमने इनकी विरासत का सम्मान और संरक्षण किया है। और इसका परिणाम यह है कि कभी एक कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई क्रांति ला रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश में अब न कर्फ्यू है, न दंगे, सब कुछ ठीक है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और आध्यात्मिक गुरु स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं ने केंद्रीय मंत्री एमएल खट्टर और उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के साथ गुरुदेव समाधि मंदिर में मूर्ति स्थापना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यहां उपस्थित सभी संत, आध्यात्मिक नेता और भक्त सनातन चेतना के जीवंत प्रतीक हैं और गंगा के पवित्र तट पर स्थित पवित्र सप्तऋषि क्षेत्र में एकत्रित होकर राष्ट्र और संस्कृति में अमूल्य योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन महान व्यक्तित्वों ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्रीय कर्तव्य, सेवा, त्याग और करुणा को समर्पित किया, वे मात्र तपस्वी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना से जुड़े दिव्य संत थे।

बीएसएफ के 60 साल बेमिसाल: अमित शाह ने कहा- आपकी कर्तव्य-निष्ठा से सीखता हूं

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कठुआ के बोबिया चौकी से सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की प्रशंसा करते हुए बल को भारत की रक्षा करने वाली "अपरिहार्य दीवार" बताया और राष्ट्र की प्रशंसा अर्जित करने का श्रेय बीएसएफ कर्मियों को दिया, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर को उनकी वीरता का एक शानदार उदाहरण बताया। जम्मू और कश्मीर के सीमा चौकी बोबिया के अपने दौरे के दौरान बीएसएफ कर्मियों को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि जब भी वे बीएसएफ चौकियों का दौरा करते हैं, तो उन्हें बल से कर्तव्य, अनुशासन और बलिदान के पाठ मिलते हैं। शाह ने कहा कि जब भी मैं बीएसएफ चौकी की सीमा पर जाता हूं, चाहे वह कच्छ का रेगिस्तान हो,

राजस्थान का रेगिस्तान हो या जम्मू-कश्मीर का इलाका, मैं हमेशा आप सभी से कर्तव्य-चेतना और कर्तव्य-जागरूकता के मूल्यों को सीखता हूं। अगर सभी सेवाओं में किसी एक को सम्मान देना है, तो वह मेरे बीएसएफ के युवा हैं जो हमेशा सीमा पर तैनात रहते हैं। उन्होंने आगे कहा कि आप अपने 60 साल के वीरतापूर्ण इतिहास के कारण देश की जनता में यह भावना जगाने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि बीएसएफ कर्मी हमेशा सोशल मीडिया से जुड़े नहीं रहते हैं, लेकिन आज के बारे में उनकी पोस्ट पर कई टिप्पणियां उनके लिए नहीं बल्कि बीएसएफ कर्मियों के लिए होंगी, जो एक बहुत बड़ी बात है। उन्होंने कहा कि आज जब मैं बोबिया चौकी कठुआ आऊंगा, तो सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करूंगा। आप नीचे दिए गए कमेंट जरूर पढ़ें। ये कमेंट देश के गृह मंत्री के लिए एक भी नहीं हैं। ये सभी कमेंट मेरे सीमा रक्षकों के लिए हैं, उनकी बहादुरी और बलिदान के सम्मान में। यह बहुत बड़ी बात है। बीएसएफ की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए शाह ने कहा कि बल ने वर्षों में एक महावीर चक्र, दो कीर्ति चक्र, 15 वीर चक्र और 13 शौर्य चक्र के साथ-साथ कई प्रशासनिक सम्मान भी अर्जित किए हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक निर्णायक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में बीएसएफ की बहादुरी पिछले छह दशकों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गई है। उस कठिन समय में भी आप सभी ने 'हम सीमा रक्षक हैं' की भावना को हमेशा जीवित और मजबूत रखा। जम्मू-कश्मीर सीमा पर बीएसएफ ने 118 चौकियों और 3 आतंकवादी लॉन्चपैड को नष्ट कर दिया।

राहुल गांधी की 'गद्दार' टिप्पणी पर सीएम सैनी का पलटवार, बोले- कांग्रेस के डीएनए में है ये सब

चंडीगढ़ एजेंसी: हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में इन सब का जवाब है। उन्होंने अभी तक 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों से माफी नहीं मांगी है। उनका व्यवहार आज भी उनकी उस समय वाली मानसिकता को उजागर करता है। राहुल और पूरी कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच संसद के मकर द्वार के पास तीखी बहस हुई। गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार यहीं से गुजर रहा है। चेहरा देखो, और बाद में जोड़ा कि हेलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस आओगे। बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार

करते हुए गांधी को देश का दुश्मन कहा। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादित "गद्दार" टिप्पणी को लेकर पार्टी के "युवराज" पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के "अहंकार की पराकाष्ठा" का प्रतिबिंब बताया। उच्च सदन में बहस के दौरान बोलते हुए, पीएम मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़ी घटना का जिक्र किया, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद संसद के बाहर रवनीत बिट्टू को गद्दार कहा था। पीएम मोदी ने कहा कि कल जो हुआ - कांग्रेस के 'युवराज', जिनका 'शातिर दिमाग' है, ने सदन के एक सदस्य को गद्दार कहा। उनका अहंकार चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य लोगों को गद्दार नहीं कहा, लेकिन उन्होंने इस सांसद को सिर्फ इसलिए गद्दार कहा क्योंकि वह सिख हैं। यह सिखों का अपमान है, गुरुओं का अपमान है। यह कांग्रेस की नफरत को दशार्ता है।

बिहार विधानसभा में गरजे नीतीश कुमार, तेजस्वी से पूछा- 6 विधायक को कितना पैसा दिया?

बिहार एजेंसी: बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के बीच राज्य की राजनीतिक स्थिति को लेकर तीखी बहस हुई। बिहार विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने तेजस्वी यादव पर तीखा हमला करते हुए सवाल उठाया कि उन्होंने 2024 में सरकार गिराने के लिए कथित तौर पर छह विधायकों को कितनी रकम दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा आपने (तेजस्वी यादव) उन छह विधायकों को कितनी रकम दी? आपको वह पैसा कहां से मिला? आपने वह पैसा उन विधायकों से जबरन वसूला जो पहले से ही आपके साथ थे। इस सप्ताह के प्रारंभ में, मोकामा से जनता दल (यूनाइटेड) के विधायक अनंत सिंह ने बिहार विधानसभा में विधायक के रूप में शपथ ली। शपथ लेने से पहले उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पैर छुए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। दुलारचंद यादव हत्याकांड में 1 नवंबर, 2025 को गिरफ्तारी के बाद ब्युर जेल में बंद होने के कारण वे पहले शपथ नहीं ले पाए थे। सिंह ब्युर जेल से एम्बुलेंस द्वारा बिहार विधानसभा पहुंचे और शपथ ली। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं निर्दोष हूं, मुझे न्याय मिलेगा।" जेल में बंद जनता दल (यूनाइटेड) के नेता अनंत सिंह ने बिहार के पटना जिले के मोकामा विधानसभा क्षेत्र से आरजेडी उम्मीदवार और सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी को 28,206 वोटों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। वीणा देवी को 63,210 वोट मिले। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि सिंह को बिहार में मतदान शुरू होने से पहले ही पटना पुलिस ने जन सूरज समर्थक दुलारचंद यादव की हत्या

पीएम मोदी के भाषण पर राहुल गांधी का पलटवार, बोले- जो उचित समझो वही करो

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उचित समझो वही करो। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और "जो उचित समझो वही करो" के नारे लगाते हुए तख्तियां दिखाईं जिन पर धोखाधड़ी लिखा था। इस बीच, भारी नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया और यह 9 फरवरी को सुबह 11:00 बजे फिर से शुरू होगी। एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादास्पद गद्दार टिप्पणी को लेकर पार्टी के युवराज पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के अहंकार की पराकाष्ठा बताया। उच्च

सदन में बहस के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़ी घटना का जिक्र किया, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रवनीत बिट्टू को संसद के बाहर "गद्दार" कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल जो हुआ - कांग्रेस के 'युवराज', जिनका 'शातिर दिमाग' है, ने सदन के एक सदस्य को गद्दार कहा। उनका अहंकार चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य लोगों को गद्दार नहीं कहा, लेकिन इस सांसद को सिर्फ इसलिए गद्दार कहा क्योंकि वह सिख हैं। यह सिखों का अपमान है, गुरुओं का अपमान है। यह कांग्रेस की नफरत को दशार्ता है। बुधवार को संसद के मकर द्वार के पास राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई कहासुनी के बाद यह विवाद शुरू हुआ। गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार यहाँ से गुजर रहा है। उसका चेहरा देखो और बाद में जोड़ा, "नमस्कार, भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस आओगे।" बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार करते हुए गांधी को "देश का दुश्मन" कहा।

संसद में गतिरोध बरकरार, दोनों सदनों की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित

नई दिल्ली एजेंसी: विपक्षी सदस्यों द्वारा लगातार व्यवधान उत्पन्न करने के कारण लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया। इससे पहले, अध्यक्ष ओम बिरला ने नारेबाजी और तख्तियां प्रदर्शित करने के लिए सांसदों को फटकार लगाते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के कुल 19 घंटे और 13 मिनट बर्बाद हो चुके हैं। सदन सोमवार (9 फरवरी, 2026) को सुबह 11 बजे पुनः बैठेगा। बजट सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जिसके बाद संसद 9 मार्च तक अवकाश पर रहेगी। इसी बीच राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के बीच तीखी नोकझोक हुई। यह नोकझोक राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को लेकर थी, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इससे पहले संसद परिसर में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बिट्टू को "गद्दार" कह दिया था, जिसके बाद एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अपने निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटा पहले ही पूरे दिन के लिए

स्थगित कर दी गयी। सदन की कार्यवाही निर्धारित समय से पहले स्थगित करने का प्रस्ताव कांग्रेस की तरफ से आया जिसे सरकार ने मान लिया। आज की कार्यवाही केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में कहा कि पिछले 10 वर्षों में भारतीय रेल की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है और अब सभी खर्च पूरी करने के बाद कुछ राजस्व अधिशेष है। वैष्णव ने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर में बताया कि 2014-24 के दौरान 5.04 लाख नौकरियां सृजित की गईं, जबकि वर्तमान सरकार के तीसरे कार्यकाल में 1.5 लाख और रोजगार प्रदान किये जा रहे हैं।

संसद में विपक्षी हंगामे के कारण गतिरोध जारी रहा, जिसके चलते लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बजट सत्र में समय की बबार्दी पर चिंता जताई

राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि देश में ऐसे बच्चों की संख्या को देखते हुए अनुकूल शिक्षा प्राप्त प्रशिक्षक तैयार किए जाएं। उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए जया ने विशेष देखभाल की जरूरत वाले बच्चों के लिए प्रशिक्षित लोगों की कमी रेखांकित की। राज्यसभा में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की सदस्य सुमित्रा वाल्मीकि ने सरकारी और निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के लिए 60 साल से अधिक उम्र के उनके बुजुर्ग माता-पिता की देखभाल हेतु 45 दिन की अनिवार्य छुट्टी की मांग की। गोवा के भाजपा सांसद सदानंद शेट तानावड़े ने शुक्रवार को राज्य में पर्यटन को निशाना बनाने वाले ऑनलाइन धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर राज्यसभा में चिंता व्यक्त की और सरकार से फर्जी होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के खिलाफ

संपादकीय

प्रधानमंत्री का डर और संसद की गरिमा

संसद सत्र को सत्ता पक्ष की तरफ से ही बाधित करना, एक साथ विपक्ष के सौ से ज्यादा सांसदों का निलंबन, सदन के भीतर एक अल्पसंख्यक सांसद के लिए अपशब्दों का प्रयोग, पूर्व प्रधानमंत्रियों के लिए आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल, महिला सांसदों के लिए अभद्र टिप्पणियां, संसद के भीतर रंगीन धुआं उड़ाना, संसद में हिंदू पंडितों से पूजा-पाठ करवाकर धर्मनिरपेक्षता की बलि चढ़ाना और सुबह सत्र संचालित करा रहे राज्यसभा सभापति का अचानक शाम को स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा और उन्हें औपचारिक विदाई तक न देना, मोदी सरकार में संसदीय परंपराओं और मयार्दा को किस तरह बार-बार तोड़ा गया, ये उसके चंद उदाहरण हैं। लेकिन अब तो संसदीय इतिहास को मुंह चिढ़ाते हुए मोदी सरकार ने एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसका अगला पायदान तानाशाही ही लगता है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष की तरफ से चर्चा के बिना ही पारित करा दिया गया। पाठक जानते हैं कि 2 और 3 फरवरी को राहुल गांधी को सत्तापक्ष ने पूरा भाषण नहीं देने दिया। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल मनोद मुकुंद नरवणे की किताब के कुछ अंश कारवां पत्रिका में प्रकाशित हुए थे, जिसे राहुल गांधी ने सत्यापित करने के बाद उद्धृत करना चाहा लेकिन सत्ता पक्ष की टोकाटाकी के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने उन्हें नियम 349 का हवाला देते हुए अनुमति नहीं दी। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा भी कि मैं बिना उद्धृत किए ही अपनी बात रखता हूं, लेकिन जैसे ही वे चीन पर बोलने लगे, सत्ता पक्ष की घबराहट देखकर आसंदी ने उन्हें बोलने नहीं दिया। इसके बाद विपक्ष के किसी सांसद ने भाषण नहीं दिया। राहुल गांधी तो सदन में बहादुरी के साथ डटे रहे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने कायरता की नयी मिसाल देश के सामने पेश की। वे संसद आए और फिर वापस लौट गए। बुधवार शाम पांच बजे उनका भाषण लोकसभा में निर्धारित था, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला का कहना है कि उन्होंने ही प्रधानमंत्री को सदन में आने से मना किया था। उन्होंने बड़ा दावा करते हुए कहा कि ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि कांग्रेस के सांसद उन पर शारीरिक हमला कर सकते थे। इस बीच हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को शुक्रवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। ओम बिड़ला ने कहा कि अगर कोई घटना हो जाती तो लोकतंत्र की मयार्दा तार-तार हो जाती।

चिंतन-मनन

राष्ट्रीय एकता में बाधक तत्व

आर्थिक और सामाजिक असमानता राष्ट्रीय एकता में बहुत बड़ी बाधा है। उस असमानता का मूल है अहं और स्वार्थ। इसलिए राष्ट्र की भावात्मक एकता के लिए अहं-विसर्जन और स्वार्थ-विसर्जन को मैं बहुत महत्व देता हूं। जातीय असमानता भी राष्ट्रीय एकता का बहुत बड़ा विघ्न है। उसका भी मूल कारण अहं ही है। दूसरों से अपने को बड़ा मानने में अहं पुष्ट होता है और आदमी अपने-आप में संतोष का अनुभव करता है। अहं का विसर्जन किए बिना जातीय भेद का अंत नहीं हो सकता। मनुष्य जन्मना मनुष्य का शत्रु नहीं है। एक पेड़ की दो शाखाएं परस्पर विरोधी कैसे हो सकती हैं? फिर भी यह कहा जाता है कि धर्म-संप्रदाय मनुष्यों में मैत्री स्थापित करने के लिए प्रचलित हुए हैं। उनमें जन्मना शत्रुता नहीं है, फिर मैत्री स्थापित करने की क्या आवश्यकता हुई? मैं फिर इस विश्वास को दोहराना चाहता हूं कि मनुष्य-मनुष्य में स्वभावतः शत्रुता नहीं है।

वह निहित स्वार्थ वाले लोगों द्वारा उत्पन्न की जाती है। उसे मिटाने का काम धर्म-संप्रदाय ने प्रारंभ किया, किंतु आगे चलकर वे स्वयं निहित स्वार्थ वाले लोगों से घिर गए और मनुष्य को मनुष्य का शत्रु मानने के सिद्धांत की पुष्टि में लग गए। इस चिंतन के आधार पर मुझे लगता है कि सांप्रदायिक समस्या का मूल भी अहं और स्वार्थ को छोड़कर अन्यत्र नहीं खोजा जा सकता। इसलिए सांप्रदायिक वैमनस्य की समस्या को सुलझाने के लिए भी अहं और स्वार्थ का विसर्जन बहुत आवश्यक है।

भाषा, जो दूसरों तक अपने विचारों को पहुंचाने का माध्यम है, को भी राष्ट्रीय एकता के सामने समस्या बनाकर खड़ा कर दिया जाता है। अपनी भाषा के प्रति आकर्षण होना अस्वाभाविक नहीं है। पर हमें इस तथ्य को नहीं भुला देना चाहिए कि मातृभाषा के प्रति जितना हमारा आकर्षण होता है, उतना ही दूसरों को अपनी मातृभाषा के प्रति होता है। इसलिए भाषाई अभिनिवेश में फंसना कैसे तर्कसंगत हो सकता है। राष्ट्रीय एकता के लिए इन विषयों पर गंभीर चिंतन करना आवश्यक है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

वैश्विक कूटनीति में बदलता शक्ति संतुलन

डॉ हिदायत अहमद खान

मौजूदा वक्त में विकसित देशों के साथ ही प्रमुख विकासशील देशों में जिस तरह के घटनाक्रम देखने को मिल रहे हैं, उससे दुनियां में एक बड़े बदलाव की आहट सुनाई दे रही है। मनमाने ढंग से देशों पर अपने नियमों को लादना और न मानने पर कठोर से कठोर कार्यवाही करना, सामान्य लगने लगा है। न्याय दिलाने या जुल्म को खत्म करने की बजाय शक्ति का उपयोग अपने आधिपत्य को बढ़ाने के लिए किया जाने लगा है। इस तरह से इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक दुनियां की तस्वीर बदलने को आतुर नजर आ रहा है। वैश्विक राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिख रही है। यही नहीं लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का नेतृत्व करने वाला अमेरिका अब धीरे-धीरे कई बहुपक्षीय मंचों और वैश्विक संस्थानों से पीछे हटता नजर आया है। इसके विपरीत, चीन इस खाली होते कूटनीतिक मैदान में न केवल सक्रिय हुआ है, बल्कि स्वयं को एक वैकल्पिक नेतृत्वकर्ता के रूप में स्थापित करने की कोशिश भी कर रहा है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि भविष्य का वैश्विक सुपर पावर कौन होगा, अमेरिका, रुस, चीन या कोई और उभरती ताकत? अमेरिका में दूसरी बार बने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक वर्ष के कार्यकाल में 66 बहुपक्षीय संगठनों से बाहर निकलने की घोषणा करके सभी को चौंकाने का काम किया है। इससे वैश्विक राजनीति में एक बड़ा शून्य पैदा हो गया है। जलवायु परिवर्तन, श्रम अधिकार और प्रवासन जैसे मुद्दों को 'राष्ट्रीय हितों के विरुद्ध' बताकर उनसे दूरी बनाना अमेरिका की उस परंपरागत भूमिका से हटना है, जिसमें वह वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के संरक्षक की भूमिका निभाता चला आ रहा था। फिलहाल इस बदलाव का लाभ चीन को मिला है, जिसने कूटनीतिक स्तर पर अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। बीजिंग में विदेशी नेताओं की मेजबानी के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह कहना, कि मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था भारी दबाव में है और समानता आधारित प्रणाली की जरूरत है, चीन की महत्वाकांक्षा को स्पष्ट करता है। वैसे चीन इस दिशा में लंबे समय से काम करता चला आया है। खास बात यह है कि चीन का उभार केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहा है। अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में यह धारणा मजबूत हुई है कि आने वाले दशकों में चीन का वैश्विक प्रभाव तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में अमेरिका और चीन के बीच शक्ति का जो अंतर कभी बहुत व्यापक था, वह अब सिमट रहा है। हालांकि सैन्य क्षमता, तकनीकी नवाचार और सॉफ्ट पावर के लिहाज से अमेरिका अब भी अग्रणी है, लेकिन चीन आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर उसकी बराबरी बल्कि कई मामलों में तो आगे बढ़ता दिखा है। इस वैश्विक रणनीति में 'ग्लोबल साउथ' की भूमिका बेहद अहम है। एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के विकासशील देशों के साथ चीन ने बीते एक दशक में गहरे संबंध बनाए हैं। वर्ष 2013 में शुरू किया गया बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) इसी का सशक्त उदाहरण है, जिसके तहत चीन ने बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर निवेश कर रखा है। आज जब पश्चिमी देश चीन को रणनीतिक रूप से घेरने का प्रयास कर रहे हैं, तब यही विकासशील देश उसके लिए राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का आधार बनते दिख रहे हैं। आर्थिक रूप से भी चीन की स्थिति मजबूत बनी हुई है, 2025 में पांच प्रतिशत की विकास दर और रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष इसकी पुष्टि करते हैं। बावजूद इसके अमेरिका के सामने चीन का यह रास्ता जोखिमों से मुक्त नहीं है। अमेरिका टैरिफ-टैरिफ खेल रहा है, जबकि कई देशों में बीआरआई परियोजनाओं से जुड़े कर्ज संकट ने चीन को अपनी निवेश नीति पर पुनर्विचार के लिए मजबूर कर दिया है। यही कारण है कि अब वह बड़े और जोखिम वाले प्रोजेक्ट्स के बजाय छोटे, सुरक्षित और रणनीतिक निवेशों पर ध्यान दे रहा है। इसके साथ ही रूस और उत्तर कोरिया जैसे देशों के साथ उसकी बढ़ती नजदीकी ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ाई है। यह साझेदारी साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर नहीं, बल्कि अमेरिका-विरोध जैसे तात्कालिक हितों पर आधारित प्रतीत होती है, जिसका असर संयुक्त राष्ट्र में समन्वित मतदान के रूप में दिखता है। यहां महत्वपूर्ण यह भी है कि चीन पूरी वैश्विक व्यवस्था पर वर्चस्व स्थापित करने की जल्दबाजी में नहीं दिखता। फिलहाल बीजिंग की प्राथमिकता अपनी घरेलू राजनीतिक स्थिरता और कम्युनिस्ट पार्टी की सत्ता को सुरक्षित रखना है। इस दिशा में भी उसने मौजूदा वक्त में अनेक सख्त फैसले लिए हैं और अनेक जिम्मेदारों को सजा तक देने से पीछे नहीं हटा है। वह केवल उन्हीं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाता है, जहां उसके प्रत्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा हित जुड़े हों। असल में चीन का लक्ष्य वैश्विक प्रभुत्व से अधिक एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव को सीमित करना है, जिसकी झलक दक्षिण चीन सागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों से भी मिल जाती है। अंततः आज की दुनिया एक एकध्रुवीय व्यवस्था से बहुध्रुवीय संतुलन की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन के बीच यह प्रतिस्पर्धा केवल शक्ति की नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की दिशा तय करने की भी है। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि दुनिया किसी एक सुपर पावर के नेतृत्व को स्वीकार करती है या साझा, संतुलित और बहुपक्षीय व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाती है।

संसद की गरिमा को बचाने की जरूरत

प्रो. संजय द्विवेदी

देश की संसद हमारे लोकतांत्रिक आचरण, संसदीय मयार्दाओं और संवाद की शुचिता का केंद्र होनी चाहिए। जहां संवाद से संकटों के हल खोजे जाएं। लेकिन पिछले दो दिनों में लोकसभा में जो हुआ,वह बहुत निराशाजनक है। सदन के नेता प्रधानमंत्री ही अगर अपने सदन को संबोधित न कर सकें, इससे ज्यादा निराश करने वाली बात क्या हो सकती है। ये हुआ , सबने देखा। यह संसदीय मयार्दाओं के तार-तार होने का भी समय है। जब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को यह अपील करनी पड़ी कि प्रधानमंत्री लोकसभा में न आएं और राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा का जवाब न दें। लोकसभा अध्यक्ष ने किस तरह की आशंकाओं के कारण ऐसा कहा होगा, इसे समझा जा सकता है।

इसके पहले सदन में हुए हंगामे, कागज फाड़कर आसंदी पर फेंकने जैसे दृश्य तो संसद ने अनेक बार देखे हैं। बावजूद इसके एक अभूतपूर्व दृश्य भी लोकसभा ने देखा जब लगभग सात महिला सांसद प्रधानमंत्री के आसन तक जा पहुंचीं। क्या हो सकता था, इसका अनुमान लगाना ठीक नहीं। किंतु बाद में लोकसभा अध्यक्ष ने जो कुछ कहा वह बताता है, संसदीय मयार्दाओं की सीमाएं लांघते हुए हमारे सांसद दिखे। परंपरा रही है कि धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब आमतौर पर प्रधानमंत्री देते हैं । इसकी न सिर्फ अपेक्षा रहती है बल्कि प्रतीक्षा भी आखिर सरकार के मुखिया क्या कहते हैं। स्थापित मान्यता यहां टूटती दिखी। प्रधानमंत्री लोकसभा को संबोधित नहीं कर सके। राज्यसभा में भी उनका भाषण विपक्ष की गैरमौजूदगी में हुआ। संसदीय लोकतंत्र में विरोध और संवाद साथ -साथ चलते हैं। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने संसद में पहले दिन से बहस और संवाद की संस्कृति को संरक्षित किया। वे यह चाहते थे अच्छे लोग संसद में आएं और संसदीय बहसों का स्तर ऊंचा हो। अपने विरोधी सांसदों की भी वे प्रशंसा करते हुए नजर आते हैं।

दिग्गज सांसद राममनोहर लोहिया से लेकर युवा सांसद अटल बिहारी बाजपेई को भी उन्होंने ध्यान से सुना। यह परंपरा बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी बनाए रखी। विपक्ष भी अपने आचरण में मर्यादित रहा। संसद हमारे लोकतांत्रिक स्वभाव का आईना बनी रही। आपातकाल लागू होने के बाद क्षरण जरूर हुआ किन्तु बाद के दिनों में सब कुछ संभल गया। नरसिंहराव, चंद्रशेखर, अटलजी स्वयं बड़े संसदविद् थे और सदन गरिमा के साथ चलता रहा। कड़ी आलोचना के साथ , संवाद कायम रहा। पिछले कुछ समय से संवाद बंद है और कटुता बहुत बढ़ गई है। संसद शब्द की हिंसा का केंद्र बन गयी है। अपने सहयोगी सांसद को गद्दार की संज्ञा देना जैसे उदाहरण किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए यह शुभ नहीं है। यह सही बात है कि सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन विपक्षी दलों के सहयोग के बिना सदन नहीं चल सकता यह भी सच है। सदन में मिले विशेषाधिकार का लाभ लेकर सांसदों द्वारा हमारे महान दिवंगत नेताओं को कोसना , उनके जीवन के निजी पक्षों को किताबों के संदर्भ देकर उठाना कितना उचित है? इसके साथ ही बिना तथ्यों के किसी अनछपी किताब के उदाहरण से सरकार को घेरने की कोशिश भी बचकानी ही है। बजट सत्र संसद का बहुत महत्व का सत्र होता है। जिसमें हम अपने देश के आगामी एक साल के सपनों, आकांक्षाओं, आर्थिक भविष्य का खाका खींचते हैं। ऐसे सत्र का समय नष्ट करके हमें क्या हासिल होगा, समझना मुश्किल है।

मुद्दे की बात यह भी है कि क्या हमारे सांसद स्वस्थ बहस चाहते हैं? क्या क्षणिक राजनीतिक सुर्खियों के लिए हम समाज के वृहत्तर प्रश्नों की उपेक्षा नहीं कर रहे हैं। दिवंगत नेताओं की चरित्रावली का वाचन कर-के हम कौन से मूल्य स्थापित कर रहे हैं? कभी नेता प्रतिपक्ष ने वीर सावरकर पर सवाल खड़े करके जो गलत परंपरा डाली , अब दूसरे सांसद बोरे में किताबें लाकर उनके अंश पढ़ रहे हैं। इससे हमें क्या हासिल होगा? नेहरू जी, श्रीमती इंदिरा गांधी, अटल जी इस देश के महान नेता रहे हैं, उनके देहावसान के बाद ऐसी गलीज बातें राजनीतिक कार्यकताओं को नहीं करनी चाहिए। मृत्यु के बाद हम पुरखों के सद्गुण याद करते हैं। उनके प्रदेय और योगदान पर गर्व करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि देते हैं। किंतु हम किस रास्ते पर चल पड़े हैं? आजादी के इतने सालों बाद संसदीय बहस और संसदीय मयार्दाओं का स्तर ऊंचा करने के बजाय हम इसे रसातल में ले जा रहे हैं। कितना अच्छा होता कि हमारे सांसद यह समझ पाते कि देश की जनता ने उन्हें किन उम्मीदों से संसद में भेजा है। अगर सांसद ही तय लेंगे कि संसद नहीं चलेगी, तो उसे कौन चला सकता है। सांसद होना साधारण नहीं है, देश के 1 अरब, 40 करोड़ लोगों की आकांक्षाओं के प्रतिनिधियों का आचरण प्रश्नचिन्ह की तरह हमारे सामने है। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल ऐसे निराशाजनक दृश्यों से संसद को बचाने के लिए सोचेंगे। संसदीय राजनीति का यह पतन देखकर सबसे दुखी शायद पं.जवाहरलाल नेहरू और श्री अटल बिहारी वाजपेयी ही होते। दुर्भाग्यवश इन दोनों के राजनीतिक उत्तराधिकारी ही इन दृश्यों के लिए जिम्मेदार हैं। बाकी से क्या उम्मीद करना ?

डराने लगी है ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया

ऑनलाइन गेमिंग की लत एवं आभासी दुनिया कितनी भयावह एवं घातक हो सकती है, इसकी एक ही दिन में दो अलग-अलग जगह घटी घटनाओं ने न केवल झकझोरा है, बल्कि यह हमारे समय, हमारी सामाजिक संरचना और हमारी सामूहिक असावधानी पर लगा हुआ एक गहरा प्रश्नचिह्न बना है। धीरे-धीरे किशोरवय को अपने चपेट में लेने वाली यह प्रवृत्ति कितनी हृदयविदारक हो सकती है, उसका उदाहरण बुधवार को घटी ये दो भयावह घटनाएं हैं। एक हृदयविदारक घटना में गाजियाबाद की तीन अल्पवयस्क बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 12, 14 और 16 साल की तीन सुकोमल बहनें असमय काल-कवलित हो गईं। ऑनलाइन कोरियन गेम की दीवानी बहनें कोरिया में जाकर बसने और वहीं नया जीवन शुरू करने का सपना देखती थीं। घर वालों ने जब उनकी ऑनलाइन सनक से परेशान होकर उनसे मोबाइल छीन लिए, तो वे तनाव व अवसाद में घिर गईं। फिर तीनों बहनों ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। ऐसी ही घटना हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में भी घटी जहां एक पंद्रह वर्षीय किशोर ने ऑनलाइन गेम के अपने एक विदेशी साथी के बिछुड़ने के गम में घर में आत्महत्या कर ली। किशोर दसवीं का छात्र था। इन घटनाओं ने समाज को स्तब्ध ही नहीं किया, बल्कि भीतर तक गहरा घाव दिया है। यह कोई आकस्मिक या अलग-थलग घटना नहीं है। इससे पहले झाबुआ, भोपाल और देश के अन्य हिस्सों में सामने आई ऐसी घटनाएं यह संकेत देती हैं कि आभासी दुनिया किस तरह वास्तविक जीवन पर हावी होती जा रही है और हम अनजाने में एक ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहां संवेदनाएं, संवाद और जीवन-मूल्य स्क्रीन के पीछे दम तोड़ते जा रहे हैं।

ऑनलाइन गेमिंग अपने आप में अपराध नहीं है, न ही तकनीक शत्रु है, लेकिन जब यह बच्चों और किशोरों के लिए लत बन जाए, तो यह एक धीमा जहर बन जाती है। यह जहर चुपचाप बच्चों के मस्तिष्क में प्रवेश करता है, उनकी सोच, उनकी भावनात्मक संरचना और उनके निर्णय लेने की क्षमता को विकृत करता है। गेमिंग की दुनिया बच्चों को तात्कालिक रोमांच, आभासी जीत और काल्पनिक पहचान देती है, लेकिन धीरे-धीरे वही दुनिया उन्हें वास्तविक जीवन से काट देती है। परिवार, मित्र, पढ़ाई, प्रकृति, खेल और संवाद-सब कुछ पीछे छूटने लगता है। गाजियाबाद की तीनों बहनों का यह कदम इसी कटाव का चरम और भयावह परिणाम है। विशेषज्ञ मानते हैं कि अत्यधिक ऑनलाइन गेमिंग बच्चों के मस्तिष्क में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है। जोखिम का आकलन करने की क्षमता घटती है और भावनात्मक अस्थिरता बढ़ती है। हार, असफलता या गेम से वंचित किए जाने की स्थिति में अवसाद, क्रोध और निराशा गहराने लगती है। कई बार बच्चे आत्महत्या जैसे चरम कदम को भी एक 'गेम ओवर' की तरह देखने लगते हैं। यह सोच अपने आप में अत्यंत खतरनाक है। आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना केवल मानसिक स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक चुनौती है, जो हमारी परवरिश, हमारी प्राथमिकताओं और हमारी नीतियों पर सवाल उठाती है।

आज के परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और संवाद की कमी ने बच्चों को अकेलेपन की ओर धकेला है। स्मार्टफोन कई घरों में बच्चों की चुप्पी खरीदने का सबसे आसान साधन बन गया है। रोता बच्चा हो, जिद करता बच्चा हो या समय न देने की मजबूरी-मोबाइल फोन एक त्वरित समाधान बन चुका है। लेकिन यही समाधान आगे चलकर सबसे बड़ी समस्या बन जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि बच्चा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मार्गदर्शन, स्नेह और समय चाहता है। जब यह सब उसे स्क्रीन से मिलने लगता है, तो परिवार की भूमिका स्वतः कमजोर हो जाती है। यह भी एक कठोर सत्य है कि कई माता-पिता स्वयं डिजिटल लत के शिकार हैं। ऐसे में बच्चों को रोकने का नैतिक और व्यवहारिक अधिकार भी कमजोर पड़ जाता है। हम बच्चों से अपेक्षा करते हैं कि वे मोबाइल कम चलाएं, जबकि हमारे अपने हाथों में हर समय फोन रहता है। यह दोहरा व्यवहार बच्चों के मन में भ्रम और विद्रोह दोनों पैदा करता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल बच्चों पर नियंत्रण नहीं, बल्कि पूरे पारिवारिक वातावरण में संतुलन लाने से जुड़ा है।

सरकार और समाज की भूमिका भी इस संकट में कम महत्वपूर्ण नहीं है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन उसके सामाजिक प्रभावों पर पर्याप्त नियंत्रण और निगरानी का अभाव है। कई गेम्स में हिंसा, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार को सामान्य और रोमांचक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। बच्चों के लिए आयु-उपयुक्त सामग्री, समय-सीमा और चेतावनी संकेतों को सख्ती से लागू करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। सरकार को चाहिए कि वह ऑनलाइन गेमिंग और डिजिटल कंटेंट के लिए स्पष्ट और कठोर नियामक ढाँचा विकसित करे, जिसमें बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि हो। विद्यालयों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं रह सकती। डिजिटल साक्षरता, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन-कौशल को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाया जाना चाहिए। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि तकनीक का उपयोग कैसे किया जाए, न कि तकनीक के गुलाम कैसे बना जाए। शिक्षकों को भी बच्चों के व्यवहार में होने वाले बदलावों, अकेलेपन, चिड़चिड़ेपन और अचानक गिरते शैक्षणिक प्रदर्शन जैसे संकेतों को गंभीरता से लेना होगा।

मनोवैज्ञानिक सहायता को लेकर समाज में जो झिझक और संकोच है, उसे भी तोड़ना होगा। मानसिक स्वास्थ्य को कमजोरी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य का अभिन्न अंग माना जाना चाहिए। यदि किसी बच्चे में अवसाद, अत्यधिक चुप्पी, आक्रामकता या आत्मघाती विचारों के संकेत दिखें, तो समय रहते विशेषज्ञ की मदद लेना अत्यंत आवश्यक है। देर करना कई बार अपूरणीय क्षति में बदल जाता है। निस्संदेह, ये आत्मघात की घटनाएं, ऑनलाइन गतिविधियों के अतिरेक से मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को लेकर गंभीर सवालों को जन्म देती हैं। निश्चित रूप से आत्मघात की ये घटनाएं हमारे नीति-नियंताओं और अभिभावकों को आसन्न संकट के प्रति सचेत करती हैं। दरअसल,ये दुखद घटनाएं एक घातक प्रवृत्ति को ही उजागर करती हैं कि गेमिंग और डिजिटल संपर्क लाखों युवाओं को आभासी समुदाय और मनोरंजन तो प्रदान कर सकते हैं, लेकिन साथ ही ये भावनात्मक कमजोरियों,सामाजिक अलगाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों की पूर्ति न होने जैसी समस्याओं को भी जन्म दे सकते हैं। हालांकि, वहीं दूसरी ओर समाज विज्ञानी इस बात पर भी बल देते हैं कि केवल गेमिंग या ऑनलाइन मित्रता ही आत्महत्या का कारण नहीं बन सकती हैं। निस्संदेह, आत्महत्या एक जटिल और बहुआयामी घटना है। लेकिन समस्याग्रस्त डिजिटल जुड़ाव, विशेष रूप से जब यह ऑफलाइन जीवन से अलगाव, बाधित शिक्षा और तीव्र भावनात्मक तनाव के साथ होता है तो संवेदनशील युवा मन में परेशानी को और बढ़ा सकता है।

गाजियाबाद की यह घटना हमें यह भी सोचने पर मजबूर करती है कि हमने बच्चों के लिए कैसी दुनिया बनाई है। क्या हमने उन्हें संवाद दिया, या केवल उपकरण थमा दिए? क्या हमने उन्हें संस्कार दिए, या केवल सुविधाएं? क्या हमने उन्हें सुनने का समय दिया, या केवल आदेश? यह आत्ममंथन केवल पीड़ित परिवारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि पूरे समाज को अपने भीतर झांककर देखना होगा। यह घटना एक चेतावनी है, एक टर्निंग पॉइंट है। यदि अब भी हमने इसे एक सामान्य समाचार की तरह भुला दिया, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। समाज को, सरकार को और प्रत्येक परिवार को मिलकर कड़े और संवेदनशील कदम उठाने होंगे। तकनीक को नकारना समाधान नहीं है, लेकिन उसे बिना नियंत्रण स्वीकार करना भी आत्मघाती है। संतुलन, संवाद और सहभागिता ही बच्चों की सुरक्षा का वास्तविक आधार हैं। गाजियाबाद की तीनों बहनों हो या कूल्लु के किशोर की असमय मृत्यु हमें यह याद दिलाती है कि अगर हमने अभी नहीं संभला, तो यह इलेक्ट्रॉनिक खतरा हमारे घरों, हमारे भविष्य और हमारी संवेदनाओं को निगलता चला जाएगा। यह समय है जागने का, सोचने का और ठोस कदम उठाने का- क्योंकि यह सवाल केवल तकनीक का नहीं, बल्कि जीवन का है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

तीन दिवसीय मेले में स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लगाए गए स्टॉल

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास भवन परिसर में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। वही दूसरे दिन मेले में राष्ट्रीय आजीविका मिशन ग्रामीण से जुड़े स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के स्टॉल लगाए गए हैं। इस सरस मेले में अधिकारियों ने स्टॉलों से खरीदारी भी की। मेले में समूहों से जुड़ी महिलाएं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और इसके साथ लाभ उठाने का तरीका भी बताया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी सफलता के अनुभव भी साझा किए। मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़े समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर और उनकी आमदनी को बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसके लिए महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम किया जा रहा है। कहा कि इस तरह के मेले का आयोजन हर माह किया जाएगा। बताया कि अभियान चलाकर सभी ग्राम पंचायतों में समूह से जोडने का कार्य किया जा रहा है। महिलाओं से अपने उत्पादन को बड़े स्तर पर करने की बात कही।

डीएम-एसपी ने कांवड़ मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में कांवड़ यात्रा को सकुशल और सुगमता से पूर्ण कराने के दृष्टिगत जिला मजिस्ट्रेट निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने शुक्रवार को मौके पर जाकर कांवड़ मार्गों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा कांवड़ थाना गजरौला, थाना बछरायूं व मंडी धनौरा में कांवड रूट का निरीक्षण कर कांवड़ियों के सुगम आवागमन एवं यातायात की समुचित व्यवस्था हेतु सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेकर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उन्होंने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा इंतजामों की विस्तृत समीक्षा करते हुए बैरिकेडिंग, साफ सफाई, लाइटिंग व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मार्गों पर साफ सफाई और प्रकाश की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने इसके साथ ही सभी तैयारियां पहले से ही पूरी करने के निर्देश दिए ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में किसी तरह की असुविधा न हो।पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने यात्रा मार्गों पर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया, क्षेत्राधिकारी अंजलि कटारिया सहित सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अमरोहा परिसर में आयोजित विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया गया। इसी के साथ निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्रा ने राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की कार्यशालाओं का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना के प्रशिक्षित लाभार्थियों को केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनाओं से जोड़ने का आवाहन किया। सभी लाभार्थियों को मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, पीएम विश्वकर्मा आदि सभी योजनाओं से भी अवगत कराया। लाभार्थियों को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास मिशन तथा आईटीआई के तहत संचालित समस्त व्यवसाय में से अपनी रुचि के अनुसार कोर्स चयनित करके आजीविका सृजन करने एवं स्वरोजगार अपनाते हुए आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित किया गया। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी महिला लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने तथा लखपति दीदी को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान राहुल कृष्ण शर्मा व सहायक आयुक्त उद्योग राजकुमार तोमर उपस्थित रहे।

एएसपी ने थाना मंडी धनौरा का अर्धवार्षिक निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को अमरोहा अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया द्वारा थाना मंडी धनौरा का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना परिसर की स्वच्छता व्यवस्था ,अभिलेखों के रखरखाव माल खाना, शस्त्रागार, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल, आगंतुक रजिस्टर एवं सीसीटीएनएस कार्यों की गहनता से समीक्षा की और थाना अध्यक्ष को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ने परिसर की स्वच्छता व्यवस्था कार्यालय एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रखरखाव मालखाना ,शस्त्रागार, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल ,आगंतुक रजिस्टर एवं सीसीटीएनएस से संबंधित कार्यों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। साथ ही उन्होंने निरीक्षण के समय अभिलेखों की अधतन स्थिति रखरखाव एवं कार्य प्रणाली का भी परीक्षण किया। इसके अलावा शस्त्रागार के निरीक्षण के दौरान शस्त्रों एवं कारतूसों की उपलब्धता उनकी सुरक्षित हैंडलिंग ,समुचित रखरखाव ,अभिलेखों का मिलान तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन की जांच की, इस दौरान शस्त्रागार से संबंधित रजिस्टर को अधतन रखने एवं शस्त्रों के सुरक्षित भंडारण को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को एवं कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी अभिलेखों को नियम अनुसार अधतन रखा जाए, थाना परिसर में स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखा जाए तथा जन सामान्य की समस्याओं का समयबद्ध निष्पक्ष एवं संवेदनशील तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए ,साथ ही मिशन शक्ति केंद्र के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा एवं जागरूकता से जुड़े अभियानों को और अधिक प्रभावी बनाने, साइबर सेल द्वारा साइबर अपराधों के प्रति त्वरित कार्यवाही करने तथा सीसीटीएनएस कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उदयगिरि गोस्वामी सादगी, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा की एक अलग ही मिसाल

राजनीति को सेवा मानने वाले भाजपा जिलाध्यक्ष की जीवनशैली बनी प्रेरणा

अमरोहा(सब का सपना):- आज के समय में जब राजनीति को अक्सर सत्ता, सुविधा और वैभव से जोड़कर देखा जाता है, ऐसे दौर में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी सादगी, अनुशासन और निस्वार्थ सेवा की एक अलग ही मिसाल पेश करते हैं। ऊँचे राजनीतिक पद पर होने के बावजूद उनका जीवन अत्यंत सरल, संयमित और अनुकरणीय है। उदयगिरि गोस्वामी न केवल विचारों में बल्कि अपने आचरण में भी सादगी को अपनाए हुए हैं। वे अपने हाथों से बना सादा भोजन ही ग्रहण करते हैं और बाहर के भोजन से पूरी तरह दूरी बनाए रखते हैं। उनका मानना है कि आत्मअनुशासन और संयम से ही व्यक्ति अपने उद्देश्य के प्रति पूरी तरह समर्पित रह सकता है। उन्होंने जीवन में कभी विवाह नहीं किया और अपना संपूर्ण जीवन संगठन और पार्टी को समर्पित कर दिया। उनके लिए राजनीति किसी पद, प्रतिष्ठा या सुविधा का साधन नहीं, बल्कि जनसेवा और राष्ट्रसेवा का माध्यम है। यही कारण है कि वे हर समय संगठन की मजबूती और कार्यकताओं की समस्याओं के समाधान में जुटे रहते हैं। सत्ता के बेहद निकट होने के बावजूद उदयगिरि गोस्वामी आज तक किसी सरकारी आवास या आलीशान भवन में नहीं रहे। वे एक साधारण किराए के मकान में निवास करते हैं, जो उनके सिद्धांतों और व्यक्तित्व की सच्ची तस्वीर प्रस्तुत करता है। उनका रहन-सहन यह साबित करता है कि नेतृत्व का मूल्य सुविधाओं से नहीं, बल्कि चरित्र से तय होता है। उनका अधिकांश समय दिन-रात पार्टी के कार्यों, संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक मजबूती और कार्यकताओं से संवाद में बीतता है। वे हर कार्यकर्ता की समस्या को अपनी समस्या मानते हैं और समाधान के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रयास करते हैं। यही कारण है कि संगठन में उनकी स्वीकार्यता और सम्मान लगातार बढ़ता जा रहा है। कार्यकताओं का कहना है कि उदयगिरि गोस्वामी हर जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाते हैं। वे कभी दिखावे में विश्वास नहीं रखते और हमेशा जमीन से जुड़े रहकर काम करना पसंद करते हैं। उदयगिरि गोस्वामी की जीवनशैली यह स्पष्ट संदेश देती है कि राजनीति में वास्तविक ऊँचाई सादगी, सेवा और ईमानदारी से आती है, न कि वैभव और प्रचार से। आज जब राजनीति पर सवाल उठते हैं, ऐसे नेता न केवल संगठन को मजबूती देते हैं बल्कि जनता के भरोसे को भी सशक्त करते हैं। उनका जीवन उन युवाओं और कार्यकताओं के लिए प्रेरणा है, जो राजनीति को सेवा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम मानते हैं।

गजरौला नगर पालिका की बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 52 करोड़ 94 लाख रु.का बजट पारित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की नगर पालिका परिषद गजरौला की बोर्ड बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए 52 करोड़ 94 लाख रुपए का बजट पारित हुआ है जिसके सापेक्ष 52 करोड़ 22 लाख 75 हजार रुपए विकास, वेतन एवं अन्य मदों में व्यय किए जाएंगे। इस तरह 71 लाख 25 हजार रुपए के लाभ का बजट साबित होगा। बता दें कि शुक्रवार को सुबह दस बजे से प्रारंभ हुई बोर्ड की बैठक में चेयरपर्सन राजेन्द्री उर्फ उमा एवं नगर स्वच्छता प्रेरक/पूर्व विधायक हरपाल सिंह की उपस्थिति में बैठक का संचालन करते हुए अधिशासी अधिकारी ललित कुमार आर्य ने गत बैठक की पुष्टि करते हुए बजट का विषय रखा। जिस पर सभी सभासदों ने सहमति प्रदान करते हुए बजट पास कर दिया। इसके बाद बोर्ड बैठक में नगर के विकास हेतु 1000 पीसीसी पोल एवं पोलो पर एबीसी की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन कराये जाने, निकाय क्षेत्रन्तर्गत 150 हैण्डपम्प रिबोर कराये जाने, प्रकाश व्यवस्था हेतु 120 वाट के 1000, 90 वाट के 1000 एवं 50 वाट के 1000 एलईडी स्ट्रीट लाईट की आपूर्ति एवं अधिष्ठापन कराये जाने, पेयजल व्यवस्था हेतु विभिन्न स्थानों पर एचडीपीई पाईप लाईन के विस्तारीकरण कराये जाने, 20 वाटर कूलर की आपूर्ति/अधिष्ठापन कराये जाने, जीर्ण-शीर्ण सड़कों के निर्माण/पुनर्निर्माण/मरम्मत कराये जाने, प्रकाश व्यवस्था सुदृढ़ किये जाने हेतु लाईटों की मरम्मत सामग्री आपूर्ति किये जाने, मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना के अन्तर्गत धनराशि प्राप्त कर कार्य कराये जाने, वन्दन योजना के अन्तर्गत धनराशि प्राप्त कर कार्य कराये जाने, शहर के प्रमुऽ स्थानों पर सौन्दर्यकरण एवं सेल्फी प्वाइंट का निर्माण कराये जाने, डिवाईडरों के निर्माण/पुनर्निमाण/ मरम्मत/सौन्दर्यकरण कराये जाने, 100 सोलर लाईटों की आपूर्ति, 200 नग डेकोरेटिव पोल मय लाईट के की आपूर्ति, पं0 दीनदयाल उपाध्याय नगर विकास योजना के अन्तर्गत कार्य, कूड़ा निस्तारण हेतु 02 छोटे एवं 02 बड़े ट्रैक्टर-ट्रॉली, 05 टाटा एस एवं 01 डम्पर क्रय किये जाने, नाला एवं नालियों की मरम्मत, कीटनाशक दवाई, चूना, ब्लीचिंग पाउडर एवं क्लोरिन की आपूर्ति, पुराने टङ्बवेलों के मरम्मत एवं 05 नये टङ्बवेल की व्यवस्था, मुख्य मार्गों पर स्वागत द्वार, फाउंटेन व सेल्फी प्वाईंट, मायापुरी स्थित महर्षि बाल्मीकि धर्मशाला के सौन्दर्यीकरण, नगर में स्थित प्राथमिक विद्यालयों के सौन्दर्यीकरण आदि समेत अन्य प्रस्तावों पर चर्चा करते हुए प्रस्तावों को पारित किया गया। बैठक में सभासदों ने उपरोक्त प्रस्तावों से अलग भी अपने अपने वार्डों में आवश्यकतानुसार प्रस्ताव भी चेयरपर्सन व ईओ के समक्ष रखकर कार्य कराने की मांग की। बैठक में लेखाकार आदेश कुमार अग्रवाल, लिपिक ललित कुमार, इरशाद खां, अजय गोस्वामी, वंदना अग्रवाल, रविन्द्र सिंह, अक्षय शुक्ला समेत सभी सभासद मौजूद रहे।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में उच्च स्तरीय टीम ने किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला संयुक्त चिकित्सालय में एस.आर.टी टीम के सदस्य अमरीश कुमार, रीजनल को ऑर्डिनेटर मेरठ एवं डॉ. अनुराग संजोग, डिप्टी सीएमओ गाजियाबाद द्वारा एम.सी.एच (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) विंग का विस्तृत निरीक्षण किया। टीम ने चिकित्सालय के विभिन्न विभागों जैसे ओपीडी, लेबर रूम, एसएनसीयू (सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट), एमएनसीयू, पीडियाट्रिक वार्ड, आईसीयू, सर्जिकल वार्ड, ट्रॉमा सेंटर, इमरजेंसी विभाग, जेरियाट्रिक वार्ड, एनआरसी (पोषण पुनर्वास केंद्र) वार्ड तथा जनरल वार्ड का गहन जायजा लिया। शासन द्वारा जारी चेकलिस्ट के अनुसार अभिलेखों की जांच की गई तथा भर्ती मरीजों से चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता और व्यवहार संबंधी फीडबैक लिया गया।निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था, चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की कार्यशैली तथा समग्र प्रबंधन की खुलकर सराहना की। टीम सदस्य अस्पताल की कार्यप्रणाली एवं सेवाओं से पूर्ण रूप से संतुष्ट दिखे। उन्होंने कहा कि यहां मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही हैं तथा सुविधाएं संतोषजनक स्तर पर हैं।यह निरीक्षण स्वास्थ्य विभाग की गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाली नियमित प्रक्रिया का हिस्सा था, जिससे अस्पताल में और सुधार की दिशा में प्रयास जारी रहेंगे। स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता इस दौर से स्पष्ट हुई।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की सफलता के लिए शिक्षकों को मिला प्रशिक्षण

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकास क्षेत्र गगेश्वरी के बीआरसी चन्दनपुर खादर पर शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आगामी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के सफल क्रियान्वयन के लिए आयोजित इस कार्यशाला में ब्लॉक के समस्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों तथा इंचार्ज अध्यापकों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग का साझा प्रयास रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) गगेश्वरी, अनिल कुमार और स्वास्थ्य विभाग से पधारे डॉ. धीरज नारायण ने किया। उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए बीईओ अनिल कुमार ने कहा कि बच्चों का शारीरिक स्वास्थ्य उनकी शैक्षणिक प्रगति का आधार है। यदि बच्चा कृमि (पेट के कीड़ों) से ग्रसित है, तो वह कुपोषण और एनीमिया का शिकार हो जाता है, जिससे उसकी पढ़ाई प्रभावित होती है। उन्होंने सभी शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों को दवा का सेवन सुनिश्चित कराएं। स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञ डॉ. धीरज नारायण ने शिक्षकों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने की विधि और उसके लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दवा बच्चों को स्कूल परिसर में शिक्षकों की देखरेख में ही खिलाई जानी चाहिए। बीमार बच्चों को दवा नहीं दी जानी चाहिए। यदि कोई बच्चा दवा खाने के बाद मामूली जी मिचलाने या चक्कर आने की शिकायत करता है, तो घबराने की जरूरत नहीं है, यह सामान्य प्रक्रिया है।प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने संगठन की ओर से इस राष्ट्रीय अभियान में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ गगेश्वरी के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह,डॉ. इमरान खान, डॉ. हरदेव सिंह, बिजेंद्र सिंह, प्रमोद कुमार, सरफराज अली, ऋषिपाल सिंह, राजीव कुमार, सतीश कुमार,भागेश कुमार, जयपाल सिंह,नाजिर अली, फैजान हस्मत,देवराज सिंह,अंजना, अनुराधा,सुभाष चंद्र और अजयपाल सिंह सहित भारी संख्या में शिक्षक एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंदौसी में निजी अस्पताल के कर्मचारी पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप

अल्ट्रासाउंड के दौरान अलग कमरे में ले जाकर की गई हरकत, परिजनों ने किया हंगामा

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- शहर के एक निजी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच के दौरान महिला से कथित अभद्रता का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने अस्पताल के एक कर्मचारी पर आपत्तिजनक व्यवहार और गलत तरीके से छूने का आरोप लगाते हुए पुलिस चौकी सीता रोड, चंदौसी में लिखित तहरीर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश और चर्चा का माहौल बना हुआ है।जानकारी के अनुसार बहजोई क्षेत्र से एक महिला अपनी सास के साथ चंदौसी स्थित निजी अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच कराने पहुंची थी। आरोप है कि जांच के समय महिला को केबिन के अंदर ले जाया गया, जबकि उसकी सास को बाहर रोक दिया गया। इसी दौरान अस्पताल के कर्मचारी द्वारा महिला से इंजेक्शन लगवाने की बात कही गई। पीड़िता का आरोप है कि इंजेक्शन के नाम पर उससे कपड़े नीचे करने को कहा गया और बाद में कथित रूप से उसके पूरे कपड़े उतरवा दिए गए। इस दौरान कर्मचारी द्वारा महिला के साथ आपत्तिजनक ढंग से छेड़छाड़ की गई, जिससे वह भयभीत हो गई। बताया गया कि कुछ देर बाद जब डॉक्टर केबिन में पहुंचे तो उन्होंने अल्ट्रासाउंड प्रक्रिया में इंजेक्शन लगाए जाने पर सवाल उठाया। इसके बाद पीड़िता को स्थिति की गंभीरता का अहसास हुआ और वह केबिन से बाहर निकल आई। महिला ने बाहर मौजूद अपनी सास को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना से आहत महिला ने पुलिस चौकी सीता रोड, चंदौसी पहुंचकर अस्पताल के कर्मचारी के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अनुज कुमार तोमर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। निजी अस्पताल में महिला सुरक्षा से जुड़ा यह मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य सेवाओं की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

बहजोई पुलिस की कार्रवाई, अवैध फायरिंग व मारपीट के मामले में पांच गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने एवं अपराध व अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत शुक्रवार को थाना बहजोई पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी। बीते गुरुवार को थाना बहजोई पर नियुक्त महिला उपनिरीक्षक अपर्णा बंसल द्वारा तहरीर दी गई कि वह चौकी क्षेत्र कलेक्ट्रेट में गश्त पर थीं। गश्त के दौरान जब पुलिस टीम मोहल्ला कृष्णा कुंज, बहजोई स्थित डीएम आवास के पास पहुँची तो देखा कि कुछ लोग आपसी रंजिश को लेकर गाली-गलौज, मारपीट कर रहे थे तथा अवैध हथियार से फायरिंग कर जान से मारने की धमकी दे रहे थे। घटना के संबंध में थाना बहजोई पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। मुकदमे में वांछित पांच अभियुक्तों को थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा बड़ा मैदान कस्बा बहजोई तथा अकबरपुर रोड, रमपुरा तिराहा स्थित आम के पेड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों में,सरताज पुत्र गफ्फार (25), आसिम उर्फ मम्मा पुत्र पप्पू उर्फ समीम (22), रोहिल उर्फ रोहित पुत्र कल्लू (26), नाजिम पुत्र अरमान (27), समीर पुत्र मोवीन (22) शामिल हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों पर पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जिला न्यायालय में एआई आधारित ट्रांसक्रिप्शन टूल्स का शुभारंभ

गवाहों के बयान होंगे अब तकनीक से दर्ज, सम्भल बना यूपी का पहला जिला

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- प्रशासनिक न्यायमूर्ति सम्भल अरुण कुमार सिंह देशवाल द्वारा शुक्रवार को जिला न्यायालय सम्भल (चन्दौसी) में गवाहों के बयान रिकॉर्ड करने हेतु ट्रांसक्रिप्शन आधारित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल्स का विधिवत उद्घाटन किया गया। इसके साथ ही न्यायालय परिसर में कम्प्यूटरीकृत कॉपिंग सेन्टर एवं पोस्ट ऑफिस का भी लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर जनपद सम्भल उत्तर प्रदेश का पहला जिला बन गया, जहाँ न्यायिक कार्यवाही में ट्रांसक्रिप्शन आधारित आधुनिक एआई तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। इस तकनीक से गवाहों के बयान अधिक सटीक, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से दर्ज किए जा सकेंगे, जिससे समय की भी उल्लेखनीय बचत होगी। प्रशासनिक न्यायमूर्ति द्वारा उठाया गया यह अभिनव एवं सराहनीय कदम न्यायिक व्यवस्था को त्वरित, तकनीकी रूप से सशक्त एवं जनोपयोगी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल माना जा रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम के उपरांत प्रशासनिक न्यायमूर्ति द्वारा मुख्य जनपद न्यायालय सम्भल स्थित चन्दौसी का निरीक्षण भी किया गया। यह निरीक्षण न्यायिक कार्य प्रणाली की नवीन अधोसंरचना को सुदृढ़ करने तथा लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण की दिशा में एक आवश्यक कदम सिद्ध होगा। इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश डॉ. विदूषी सिंह भी उपस्थित रहीं।

यूजीसी के प्रस्तावित नियमों के विरोध में करणी सेना संगठन ने सौंपा ज्ञापन

ज्ञापन सौंपकर शिक्षा मंत्री के इस्तीफे व बिल संशोधन की उठाई मांग

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- करणी सेना संगठन की ओर से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) के प्रस्तावित नियमों में संशोधन की मांग को लेकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन मण्डलायुक्त मुरादाबाद मंडल एवं जिलाधिकारी सम्भल के माध्यम से शुक्रवार को प्रेषित किया गया। ज्ञापन में कहा गया कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से मुगल एवं अंग्रेज शासकों के अत्याचारों का सामना किया है तथा देश को विभाजित करने के प्रयास होते रहे हैं। संगठन का कहना है कि हाल के वर्षों में भारत के स्वाभिमान को पुनः स्थापित करने के प्रयास किए गए हैं, लेकिन कुछ लोग एवं समूह इन प्रयासों का विरोध कर रहे हैं। करणी सेना ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जुड़े प्रस्तावित नियमों पर आपत्ति जताते हुए कई मांगें रखीं। ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा मंत्री की कथित लापरवाही के कारण सरकार की छवि धूमिल हो रही है, इसलिए उनसे तत्काल इस्तीफा लिया जाना चाहिए। साथ ही यूजीसी के प्रस्तावित बिल को वापस लेकर उसमें संशोधन करने की मांग की गई, ताकि गठित समिति में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। ज्ञापन के माध्यम से यह भी मांग की गई कि यूजीसी के अंतर्गत समान नागरिकता कानून लागू किया जाए। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रपति उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए उचित निर्णय लेंगे। इस अवसर पर करणी सेना जिलाध्यक्ष बिट्टू ठाकुर, विधि जिलाध्यक्ष एडवोकेट धूमसिंह तौमर, युवा जिलाध्यक्ष विनय राहाव, जिला उपाध्यक्ष शिवा चौहान, युवा उपाध्यक्ष निगम शिशौदिया, युवा उपाध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह सहित करणी सैनिक सचिन राघव, विशाल चौहान, विकास शर्मा, रजत रघुवंशी, शिवम राधव एवं विकास तौमर उपस्थित रहे।

चौपाल, एंटी रोमियो चेकिंग, हेल्पलाइन जानकारी व साइबर अपराध पर विशेष अभियान

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और स्वावलंबन के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के निर्देशन में शुक्रवार को जनपद सम्भल में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित कर बालिकाओं को जागरूक किया गया तथा महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए चौपाल का आयोजन किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं से संवाद स्थापित कर उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त वातावरण उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भ्रमण कर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112 (इमरजेंसी कॉल व पैनिक बटन डेमो), सीएम हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 सहित अन्य हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी पंपलेट के माध्यम से वितरित की गई। इसके साथ ही थाना चन्दौसी में SPEL 3.0 कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर अपराध के विषय में आवेदन करने वाले बच्चों को जागरूक किया गया और आवश्यक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षक चन्दौसी, वरिष्ठ उप निरीक्षक/नोडल अधिकारी एवं कार्यक्रम अधिकारी ज्योत्सना शर्मा तथा धन सिंह उपस्थित रहे। वहीं जनपद में एसिड की अवैध बिक्री एवं वितरण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान ऑपरेशन शील्ड के अंतर्गत थाना चन्दौसी क्षेत्र में विभिन्न दुकानों व स्थानों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

इसके अलावा थाना चन्दौसी पर स्कूली छात्र-छात्राओं को SPEL-03 के अंतर्गत पुलिस विभाग की कार्यशैली, साइबर अपराध एवं मिशन शक्ति अभियान के बारे में जानकारी देकर जागरूक किया गया। पुलिस प्रशासन द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा व जागरूकता के लिए ऐसे अभियानों को निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल, एक की मौत

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- गुरुवार शाम थाना धनारी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार नेत्रपाल पुत्र दुरेज (18) एवं सत्यपाल पुत्र दरियाब (35), दोनों निवासी ग्राम चन्दनकटी चूहा थाना केलादेवी जनपद सम्भल, किसी रिश्तेदारी से ग्राम सुल्तान गढ़ी की ओर से मोटरसाइकिल द्वारा अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान खजरा छपरा के पास उनकी मोटरसाइकिल की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एम्बुलेंस द्वारा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई पर लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल सम्भल रेफर कर दिया गया। बाद में जानकारी मिली कि गंभीर रूप से घायल सत्यपाल को सम्भल से मुरादाबाद रेफर किया गया, लेकिन मुरादाबाद पहुंचने से पहले ही रास्ते में उसकी मौत हो गई। वहीं नेत्रपाल का उपचार जारी है।

कट्टे में लिपटा शव मिलने से मचा हड़कंप,मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी

सैदनगली/अमरोहा(सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र से शुक्रवार को एक बेहद दुखद और विचलित करने वाली खबर सामने आई। स्थानीय लोगों ने बिलाल पब्लिक स्कूल के पास एक खेत में 40 वर्षीय इकबाल पुत्र तौसीफ का शव पाया। मृतक मोहल्ला बढ़वली मस्जिद, उझारी का निवासी था। परिजनों के अनुसार युवक मानसिक रूप से परेशान था और ठंड के कारण मौत की आशंका जताई जा रही है। घटना की संवेदनशीलता इस बात से बढ़ गई कि शव का आधा हिस्सा कट्टे में लिपटा हुआ था। आमतौर पर ठंड के कारण होने वाली मौतों में इस तरह की स्थिति कम देखी जाती है। शुरूआत में परिजन शव को घर ले गए थे, लेकिन पुलिस ने अब शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सैदनगली पुलिस ने मामले पर स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा और उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने यह भी बताया कि बिना पुलिस को सूचना दिए शव को हटाना कानूनी जटिलताएं पैदा कर सकता है। इस मामले में प्रशासन ने कमान संभाल ली है और क्षेत्र में सुरक्षा व जांच को लेकर सतर्कता बरती जा रही है। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह मामला फिलहाल संदेहास्पद माना जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की पुष्टि और किसी आपराधिक पहलू की संभावना का पता चल पाएगा।

8 फरवरी को हज तरबियत कैंप, 9 फरवरी को हज यात्रियों का टीकाकरण: मरकज

सम्भल(सब का सपना):- हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी, सम्भल में 08 फरवरी को हज तरबियत कैंप तथा 09 फरवरी को टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी मरकज की ओर से दी गई।

कार्यक्रम के अनुसार 08 फरवरी को हज यात्रियों के लिए तरबियत (प्रशिक्षण) कैंप लगाया जाएगा, जिसमें हज से संबंधित आवश्यक जानकारी दी जाएगी। वहीं 09 फरवरी, दिन पीर (सोमवार) को हज पर जाने वाले यात्रियों का टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है।

टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन 07 एवं 08 फरवरी को मरकजी मदरसा में किया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के समय हज यात्रियों को अपने सभी आवश्यक दस्तावेज जैसे पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, हज फॉर्म, पेमेंट स्लिप तथा हॉस्पिटल द्वारा जारी फिटनेस सर्टिफिकेट साथ लाना अनिवार्य होगा। बिना फिटनेस सर्टिफिकेट के किसी भी यात्री को टीका नहीं लगाया जाएगा। बताया गया कि जिला अल्पसंख्यक कल्याण विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा मरकजी मदरसा को 09 फरवरी की तिथि टीकाकरण के लिए आवंटित की गई है। अधिक जानकारी के लिए हज ट्रेनर्स से संपर्क किया जा सकता है– ख्वाजा कलीम अशरफ (हज ट्रेनर) 9927326210 अब्दुल खालिक (जिला हज ट्रेनर) 9457271007 कारी वसी अशरफ (हज संरक्षक) 9837766740

हाजी नदीम (फिजा स्वीट्स, हज ट्रेनर) 9897039750 तकी अशरफ एडवोकेट (हज ट्रेनर) 9557862256 हज्जन उम्मे हबीबा (हज ट्रेनर) 9897039750 मुहम्मद अहमद रजा (हज ट्रेनर) 9760126121 डॉ. इफ्तेखार अहमद (हज ट्रेनर) 9837292324 यह जानकारी जिला हज ट्रेनर्स सम्भल एवं मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी, सम्भल की ओर से दी गई है।

जीएसटी छापेमारी के विरोध में बाजार बंद, राज्य मंत्री के हस्तक्षेप से निकला समाधान

चन्दौसी/सम्भल(सब का सपना):- गुरुवार को जीएसटी विभाग की छापेमारी से नाराज व्यापारियों ने शहर में धरना-प्रदर्शन करते हुए संपूर्ण बाजार बंद रखा। व्यापारियों ने छापेमारी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बिना पूर्व सूचना और दबावपूर्ण तरीके से की जा रही कार्रवाई से व्यापारिक माहौल प्रभावित हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से स्पष्ट नियमों और सम्मानजनक व्यवहार की मांग की। व्यापारियों के आंदोलन को गंभीरता से लेते हुए राज्य मंत्री ने तत्काल संज्ञान लिया और व्यापार मंडल तथा जीएसटी अधिकारियों के बीच संवाद स्थापित कराया। राज्य मंत्री की मौजूदगी में हुई बैठक में दोनों पक्षों के बीच कई अहम बिंदुओं पर सहमति बनी। तय किया गया कि भविष्य में किसी भी दुकान पर जीएसटी छापेमारी के दौरान संबंधित दुकानदार के परिवार के दो सदस्य उपस्थित रहेंगे। साथ ही व्यापार मंडल के प्रतिनिधि भी मौके पर मौजूद रहेंगे, जिससे जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि जीएसटी अधिकारी किसी भी व्यापारी के साथ अभद्र व्यवहार नहीं करेंगे तथा नियमानुसार ही कार्रवाई की जाएगी। राज्य मंत्री के हस्तक्षेप से निकले समाधान पर व्यापारियों ने संतोष व्यक्त करते हुए अपना आंदोलन समाप्त करने की घोषणा की। शुक्रवार को व्यापार मंडल के पदाधिकारी राज्य मंत्री के आवास पर पहुंचे और फूल माला पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर व्यापारी युवा नेता अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि राज्य मंत्री के प्रयासों से व्यापारियों की समस्याओं का समाधान हुआ है और अब छापेमारी के दौरान व्यापारियों को अनावश्यक परेशानियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने प्रशासन और व्यापारियों के बीच बेहतर तालमेल की उम्मीद जताई। व्यापारी नेता सागर गुप्ता ने कहा कि व्यापारी हमेशा कानून का सम्मान करते हैं, लेकिन छापेमारी की प्रक्रिया पारदर्शी और सम्मानजनक होनी चाहिए। राज्य मंत्री की पहल से व्यापारियों की बात सुनी गई और स्पष्ट दिशा-निर्देश तय हुए, जिससे व्यापारियों में विश्वास बढ़ा है। वहीं व्यापारी नेता शाह आलम मंसूरी ने कहा कि व्यापारी सरकार के साथ हैं, लेकिन अफसरशाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था के प्रहरी हैं। राज्य मंत्री के प्रति आभार व्यक्त करने वालों में प्रेम ग्रोवर, मनतेश वार्ष्णेय, देवेंद्र, मोनू, अमित पाठक, मोहित सक्सेना, शुभम अग्रवाल सहित अन्य व्यापारी उपस्थित रहे।

असम सीएम के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करने की मांग को लेकर दिया गया प्रार्थना पत्र

बिजनौर में कांग्रेस ने आपत्तिजनक बयान पर जताया विरोध, थाने में दिया प्रार्थना पत्र

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और अधिवक्ता हमायूँ बेग ने थाना कोतवाली शहर, बिजनौर में एक प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय के विरुद्ध कथित आपत्तिजनक और घृणास्पद बयान देने के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। पार्टी द्वारा जारी बयान में बताया गया कि 31 जनवरी 2026 को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने सार्वजनिक मंच से कथित तौर पर मुस्लिम समुदाय के खिलाफ आपत्तिजनक और भड़काऊ बयान दिया था। कांग्रेस का आरोप है कि इस बयान से मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है और समाज में वैमनस्य तथा तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। यह बयान समाचार पत्रों, सोशल मीडिया और अन्य संचार माध्यमों से व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। शहर अध्यक्ष हमायूँ बेग ने कहा कि इस प्रकार के सार्वजनिक बयान से विभिन्न समुदायों के बीच आपसी सौहार्द बिगड़ने और कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 (1), 298, 302 और 353 (2) के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर निष्पक्ष एवं विधिक जांच कराने की मांग की। उन्होंने प्रशासन से समाज में शांति, सौहार्द और भाईचारे को बनाए रखने के लिए उचित एवं आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री ओमवती देवी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता नीरज चौधरी, पूर्व कमिश्नर आर. के. सिंह, विक्रम सिंह (एड.), नजाकत अल्वी, चितवन शर्मा, गुलशन कुमार, समद आजाद, मौ. हनीफ, जाफर हसनैन, मौ. खालिद, शाज़िया परवीन, काजी आतिफ, हरिराज सिंह सहित कई अन्य कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने उपजिलाधिकारी नगीना को सौंपा ज्ञापन

बिजनौर/नगीना (सब का सपना):- आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारीये ने उपजिलाधिकारी नगीना को एस आई आर फार्म 7 में दर्ज हुई आपत्तियां के संबंध में ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मे आजाद समाज पार्टी के पदाधिकारीयो ने मांग कि है की एस आई आर फार्म संख्या 7 पर कितनी आपत्तियां दर्ज हुई है व कितनी आपत्तियां लंबित है। उनका विवरण देने की कृपा करें सरकार की मंशा है कि किसी का वोट ना कटे, इसीलिए जानकारी का होना अति आवश्यक है। ज्ञापन सपना के दौरान आजाद समाज पार्टी के कार्यकताओं ने उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि रोहित सागर दीपक कुमार सिंह परवेज पासी जिला सयोजक नगर अध्यक्ष असलम सिद्दीकी जावेद उस्मानी साहिल मेहरा प्रदेश सचिव सरफराज मालिक फैज आलम आदि कार्यकताओं मौजूद रहे।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के बाद लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

बिजनौर (सब का सपना):- एक पटाखा फैक्ट्री में शुक्रवार को विस्फोट के बाद आग लग गई । महिला मजदूरों ने भागकर अपनी जान बचाई। आग पर काबू पाने के लिए फायर ब्रिगेड ने कड़ी मेहनत की। घटना से इलाके में दहशत का माहौल बना रहा । फिलहाल पटाखा फैक्ट्री में आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। जनपद के गांव बक्शीवाला में स्थित एक पटाखा फैक्ट्री में शुक्रवार को अचानक विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आकर फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का सामान चलकर राख हो गया। घटना के समय फैक्ट्री में काम कर रही महिला मजदूरों ने अपनी किसी तरह भाग कर जान बचाई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया। शहर कोतवाली के गांव बक्शीवाला में बुंदू की पटाखा फैक्ट्री में शुक्रवार को 10 से 12 महिला मजदूर काम कर रही थी। काम करने के दौरान अचानक फैक्ट्री के अंदर धमाके के साथ आग भड़क उठी, जिससे मौके पर अफरा तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया । प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि पटाखा तिल्ली के रबड़ से आग लगी थी, जिस पर समय रहते काबू पाया पा लिया गया है। ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। पुलिस प्रशासन मामले की जांच कर रही हैं ।यह भी जांच की जा रही है की फैक्ट्री के पास वैध लाइसेंस और सुरक्षा मानक थे या नहीं ।

बायोमेट्रिक फेलियर से प्रभावित जेईई अभ्यर्थी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, श्लोक भारद्वाज को दोबारा एग्जाम देने की इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट से उन उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है, जिन्हें समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने के बावजूद सिस्टम से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ा। बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन में बार-बार आ रही समस्याओं को देखते हुए, जस्टिस जसमीत सिंह की बेंच ने एक उम्मीदवार को जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेन सेशन-क की परीक्षा दोबारा देने की इजाजत दी। कोर्ट ने कहा कि बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की समस्याओं के कारण परीक्षा हॉल से डिसक्वालिफाई होने या बाहर निकाले जाने का जायज डर मामूली या काल्पनिक नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने आगे कहा कि एक समय-सीमा वाली परीक्षा में जहां हर मिनट मायने रखता है, वहां उम्मीदवार का फोकस और लय और भी ज्यादा बिगड़ जाती है। कोर्ट ने ये टिप्पणियां उम्मीदवार श्लोक भारद्वाज को राहत देते हुए कीं, जो समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने के बावजूद परीक्षा शुरू होने से पहले आधार बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन पूरा नहीं कर पाए थे। वेरिफिकेशन प्रक्रिया फेल होने के कारण, उनका आधार काफी समय तक ब्लॉक रहा, जिससे उन्हें परीक्षा के दौरान काफी दिक्कतें हुईं। याचिकाकर्ता ने बताया कि बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन आखिरकार परीक्षा के बीच में पूरा हुआ, लेकिन लंबे समय तक बनी अनिश्चितता और डिसक्वालिफाई होने के डर ने उन्हें विचलित कर दिया। याचिकाकर्ता ने दावा किया कि उसी परीक्षा हॉल में कई अन्य उम्मीदवारों को भी इसी तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ा। सुनवाई के दौरान, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपनी शिकायत निवारण समिति की फाइंडिंग्स पर भरोसा करते हुए तर्क दिया कि समिति ने यह निष्कर्ष निकाला था कि परीक्षा के दौरान कोई बार-बार रुकावट नहीं आई थी। यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता ने 68 सवाल करने की कोशिश की थी और 28 के जवाब दिए थे। NTA ने कहा कि बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के अनुसार किया गया था और कोई प्रक्रियात्मक अनियमितता नहीं पाई गई। हालांकि, याचिका को मंजूरी देते हुए, कोर्ट ने कहा कि परीक्षा देना कोई वैज्ञानिक फॉर्मूला नहीं है। कोर्ट ने कहा कि एक उम्मीदवार को अपना बेस्ट परफॉर्मेंस देने के लिए मानसिक रूप से और आसपास के माहौल में सहज होना जरूरी है, और ऐसी परीक्षाएं न केवल ज्ञान बल्कि उम्मीदवार की उस ज्ञान को समय के भारी दबाव और मानसिक एकाग्रता की जरूरत वाली स्थितियों में लागू करने की क्षमता का भी टेस्ट करती हैं। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने सवालों को हल करना जारी रखा, इसका मतलब यह नहीं है
कि कोई नुकसान नहीं हुआ। तनाव में किया गया परफॉर्मेंस सामान्य और निष्पक्ष परीक्षा स्थितियों में किए गए परफॉर्मेंस के बराबर नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि शिकायत निवारण समिति द्वारा की गई

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गांव में चौपाल लगाकर जानी ग्रामीणों की समस्याएं, किया समाधान

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में आज निर्धारित कार्यक्रम के अंतर्गत गांव की समस्या-गांव में समाधान के तहत विकास खंड मौ0पुर देवमल के ग्राम फरीदपुर मान में ग्राम चौपाल का आयोजन कर ग्राम वासियों की समस्याओं का मौके पर मौजूद अधिकारियों के माध्यम से समाधान किया गया। जिलाधिकारी कौर ने अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव में प्राथमिकता के आधार पर स्वच्छ पेयजल मिशन के अंतर्गत पूर्ण मानक एवं गुणवत्ता के आधार पर शत प्रतिशत घरों में पानी का कनेक्शन कराना सुनिश्चित करें। विकास कार्यों के सत्यापन के दौरान गांव में दो आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय, सीसी रोड निर्माण आदि के काम मानक के अनुरुप पूर्ण पाए गए। इसी प्रकार वृद्धावस्था दिव्यांगजन एवं निराश्रित महिला पेंशन के लाभार्थियों द्वारा नियमित रूप से पेंशन मिलना बताया गया। गांव में कुल राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत 496 राशन कार्ड तथा सात अंत्योदय के लाभार्थी पाए गए, सभी को नियम अनुसार राशन की उपलब्धता होना बताया गया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत कुछ लाभार्थियों द्वारा बताया गया कि उनके नाम काट दिए गए हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया कि सभी लाभार्थियों की सूची उन्हें उपलब्ध कराई जाए ताकि उसका सक्षम स्तर से मिलान कर काटे गए नाम के कारणों का पता चल सके।
उन्होंने निर्देश दिए कि 70 वर्ष से ज्यादा की आयु वाले प्रत्येक व्यक्ति एवं अंत्योदय कार्ड धारकों के शत प्रतिशत रूप से आयुष्मान कार्ड बनाना सुरक्षित करें तथा गांव में विधवा, दिव्यांग तथा निराश्रित पेंशन के पात्र लाभार्थियों का चयन कर उन्हें भी शत-प्रतिशत रूप से शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिए कि आवास एवं शौचालय की मांग करने वाले नए लाभार्थियों की सूची तैयार करें और यथासंभव उनको लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही अमल में लाएं। ग्राम वासियों द्वारा हैंड पंप में पीला पानी आने पर उन्होंने निर्देशित किया कि तत्काल सभी हैंडपंपों को रिबोर कराएं ताकि ग्राम वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।
जिलाधिकारी कौर ने अपने संबोधन में ग्राम वासियों को ओडीएफ, स्वच्छता तथा विकास के मानकों के अनुरुप विकसित होने पर बधाई देते हुए कहा कि गांव को एक मॉडल के रूप में विकसित करने का भी प्रयास करें जो देश प्रदेश में मिसाल कायम करे और तमाम लोगों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बने। उन्होंने ग्राम प्रधान एवं ग्राम वासियों द्वारा उठाए गई समस्याओं के संबंध में आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा सभी समस्याओं को नोट किया गया है और सभी समस्याओं का निराकरण पूर्ण गुणवत्ता के आधार पर शीघ्रता के साथ किया जाएगा।
ग्राम वासियों द्वारा ग्राम समाज एवं अन्य सार्वजनिक भूमियों पर अवैध कब्जे की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि उनके द्वारा टीम गठित कर जांच कराई जाएगी तथा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा पाए जाने पर कब्जा मुक्त करते हुए अवैध कब्जाधारी के खिलाफ कार्यवाही भी अमल में लाई जाएगी। उनके द्वारा ग्राम वासियों को शासकीय योजनाओं से वंचित ग्रामवासियों को शत प्रतिशत रूप से संतृप्त कराने के लिए विभागीय कैंप आयोजन के लिए भी आश्वस्त किया गया। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गांव का कोई भी पात्र व्यक्ति जनकल्याणकारी सरकारी योजनाओं से संतृप्त होने से वंचित न रहने पाए। कार्यक्रम के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा ग्राम स्थित प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों का विस्तृत रूप से निरीक्षण किया गया, जहां सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित पाई गई। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से प्रश्न भी किए गए जिस पर बच्चों द्वारा सही जवाब दिया गया। अंत में जिलाधिकारी द्वारा ग्राम में जल जीवन मिशन हर घर जल नमामि गंगे एंव जलापूर्ति विभाग (उत्तर प्रदेश) द्वारा निर्माण अधीन पेयजल टंकी का स्तरीय निरीक्षण किया तथा संबंधित कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि पूर्ण मानक एवं समयबद्धता के साथ कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें ताकि ग्राम वासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।
इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी मोहम्मदपुर देवमल राजवीर सिंह, नायब तहसीलदार सदर सहित अन्य विभाग अधिकारी एवं भारी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

दिल्ली जनकपुरी घटना पर बड़ा एक्शन, एक्सईएन समेत तीन इंजीनियरों पर गिरी गाज; पुलिस भी सवालों के घेरे में

दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जनकपुरी में सड़क के बीचोंबीच खोदे गए गड्ढे में गिरकर एचडीएफसी बैंक के असिस्टेंट मैनेजर कमल जैन की मौत हो गई। यह गड्ढा जल बोर्ड द्वारा खोदा गया था। अब दिल्ली सरकार ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए संबंधित विभाग के तीन अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया है। दिल्ली जल बोर्ड के एई (सहायक यंत्री), जेई (कनिष्ठ अभियंता) और एएक्सईएन (सहायक कार्यकारी अभियंता) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बेटे कमल की मौत को लेकर परिजनों ने दिल्ली पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। परिजनों का आरोप है कि अगर रात में ही पुलिस एक्टिव हो जाती तो कमल की जान जाती। उनका आरोप है कि हम रात में इधर से उधर थाने के चक्कर काटते रहे लेकिन, किसी भी अधिकारी ने हमारी बात तो गंभीरता से नहीं लिया। मृतक के दोस्त का क्या बोला?मृतक कमल जैन के दोस्त ने कैमरे पर बोलते हुए कहा कि पुलिस ने रात में हमसे सिर्फ यह कहा था कि 'कमल की लोकेशन 200 मीटर के दायरे में है, जाओ ढूंढ लो'। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर पुलिस ऐसा कैसे कर सकती है। अगर कोई रात में थाने में मदद के लिए जाएगा तो क्या उसे मदद नहीं मिलेगी? पुलिस के इस रवैये से तो गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उधर, दिल्ली सरकार में सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इस घटना को लेकर कहा कि जनकपुरी लाइन रिहैबिलिटेशन प्रोजेक्ट साइट पर हुए दुखद हादसे को गंभीरता से लिया गया है। दिल्ली जल बोर्ड ने घटना की ट्रांसपेरेंट जांच पक्का करने के लिए एक हाई-लेवल जांच कमेटी बनाई है।
साहिब ने कहा, कमेटी को निर्देश दिया गया है कि हादसे वाली जगह का तुरंत इंस्पेक्शन करें। साथ ही सेफ्टी इंतजाम, बैरिकेडिंग, साइनेज और ट्रैफिक मैनेजमेंट का रिव्यू करें।

जनकपुरी में गड्ढे में गिरने से युवक की मौत पर सियासत गरम, केजरीवाल बोले- ये हादसा नहीं, हत्या है

नई दिल्ली। दिल्ली के जनकपुरी में दिल्ली जल बोर्ड के द्वारा खोदे गए गड्ढे में गिरने से बाइक सवार युवक की मौत को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना को लेकर भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, ह्यये हादसा नहीं, बल्कि हत्या है। नोएडा की घटना से भी बीजेपी ने कुछ नहीं सीखा। घोर लापरवाही और गैर-जिम्मेदार रवैया अब बीजेपी सरकारों की पहचान बन चुका है, जिसका खामियाजा आम जनता भुगत रही है। उन्होंने आगे मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि ईश्वर परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति दे। सौरभ भारद्वाज ने भी बोला था हमला इससे पहले दिल्ली सरकार में मंत्री रह चुके सौरभ भारद्वाज ने भी घटना को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि सड़क पर गहरे गड्ढे में एक मासूम बाइक सवार गिरकर फंस गया और पूरी रात वहीं पड़ा रहा, जिससे उसकी मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पहले हुई घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया। हालांकि, इस संबंध में संबंधित विभाग या भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

डीएम ने स्वर्ण पदक विजेता तरुण कुमार को किया सम्मानित

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा शुक्रवार को कार्यालय कक्ष में नेशनल मास्टर्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता तरुण कुमार को बधाई देते हुए सम्मानित किया। उन्होंने तरुण कुमार की मेहनत, अनुशासन और प्रेरणादायक प्रदर्शन की सराहना की। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने बताया कि बिजनौर के पूर्व सैनिक हवलदार तरुण कुमार ने जिले और प्रदेश का नाम रोशन करते हुए 46वीं राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 में 110 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता मास्टर्स एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा तिरुवनंतपुरम (त्रिवेन्द्रम) में आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग 40+ आयु वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए हवलदार तरुण कुमार ने 17.14 सेकंड का शानदार समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। इस उपलब्धि के साथ अब वे अगस्त 2026 में दक्षिण कोरिया में आयोजित होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

कांवड़ यात्रा मार्ग गड्ढों में तब्दील होने से नाराज ग्रामीणों का धरना

बिजनौर (सब का सपना)कांवड़ यात्रा मार्ग गड्ढों में तब्दील होने से नाराज ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन कर रोड सही कराने की मांग की। यह धरना प्रदर्शन पिछले दो दिनों से चल रहा हैं। ग्रामीणों का कहना है कि उनके गांव से कांवड़ यात्रा होकर गुजरती हैं लेकिन इसके बाद भी सड़कों को सही नहीं कराया गया। पूरा मामला बिजनौर शहर के समीपवर्ती गांव कंभोर व चांदपुर की चुंगी फतेहपुर रोड का है। यह रोड पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि यहां से निकलना दूभर हो गया है, जबकि इसी मार्ग से अमरोहा, हापुड़, बुलंदशहर और अलीगढ़ चार जिलों की कांवड़ यात्रा गुजरती है।

सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन को आज नया बल मिला, जब फतेहपुर छोइया, नांगली, गंदासपुर, हसनपुर, कंभौर और सिरधनी मार्गों पर चलने वाले सभी रिक्शा चालकों ने अपने-अपने रिक्शों के साथ धरना स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रशासन ने समस्या का स्थायी समाधान करने के बजाय केवल खानापूर्ति के नाम पर डंपरों से खड्डों में मिट्टी डलवाने का प्रयास किया, जिसे धरनारत लोगों ने मौके से वापस कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक सड़क की मरम्मत का ठोस समाधान नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना समिति ने ऐलान किया है कि कल से किसी भी डंपर को काम नहीं करने दिया जाएगा। इसके साथ ही नगर पालिका परिषद बिजनौर के कूड़ा उठाने वाले वाहन और रिक्शा भी बंद किए जाएंगे। आंदोलनकारियों का कहना है कि यह लड़ाई सड़क की नहीं, बल्कि आम जनता और कांवड़ यात्रियों की सुरक्षा की है, और समाधान होने तक धरना प्रदर्शन इसी तरह चलता रहेगा।

राव जयनारायण कालूवास की छठी पुण्यतिथि पर भंडारे का आयोजन

रेवाड़ी। शहर के कंकरवाली रोड पर स्थित राव जयनारायण कालूवास की छठी पुण्यतिथि के अवसर पर भंडारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर लोगों ने उन्हें श्रद्धापूर्वक याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि राव जयनारायण कालूवास सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और हमेशा समाजसेवा में लगे रहे। उनकी स्मृति में हर वर्ष इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रम में राजबीर कालूवास, बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान जसबीर यादव, चंद्रहास, धर्मवीर, अरुण यादव सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने आयोजन की सराहना की और पुण्यात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में मंडल रोजगार मेला 10 फरवरी को

रेवाड़ी। मंडल रोजगार कार्यालय गुरुग्राम और केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ द्वारा हरियाणा युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग राज्यमंत्री गौरव गौतम की अध्यक्षता में केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में 10 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे मंडल स्तर के मेगा रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेला में 30 से अधिक कंपनियां भाग ले रही है। सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस रोजगार मेला में 10वीं, 12वी, स्नातक (बीए, बीकॉम, बीएससी, बीटेक, बीसीए, बीबीए, बीफार्मा आदि तथा स्नातकोत्तर (एमए, एमकॉम, एमएससी, एमटेक, एमबीए, एमसीए, एम फार्मा आदि) व डिप्लोमा पास बेरोजगार प्रार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने इच्छुक प्रार्थियों से अनुरोध किया कि वे अपने रोजगार कार्यालय का पहचान पत्र (पंजीकरण कार्ड), योग्यता के दस्तावेज व रिज्यूम के साथ इस रोजगार मेला का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। सहायक जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि जिला के जिन प्रार्थियों का पंजीकरण रोजगार कार्यालय में नहीं है वह भी रोजगार विभाग के पोर्टल hrex.gov.in पर पंजीकरण करने उपरांत इस रोजगार मेला में भाग ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण का कार्य जिला रोजगार कार्यालय में भी उपलब्ध है।

स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों का किया मार्गदर्शन

रेवाड़ी। जिला रोजगार कार्यालय द्वारा व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह का आयोजन किया गया। मार्गदर्शन सप्ताह के अंतर्गत विद्यार्थियों को विज्ञापित रिक्तियों, स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। सहायक जिला रोजगार अधिकारी दिनेश तंवर ने बताया कि जिला रोजगार कार्यालय द्वारा उनकी ओर से राजकीय आईटीआई रेवाड़ी, राजकीय महिला महाविद्यालय रेवाड़ी, राजकीय बहुतकनीकी संस्थान लिसाना, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीकानेर, राजकीय आईटीआई सहारनवास, राजकीय आईटीआई कुंड में विद्यार्थियों का व्यवसायिक मार्गदर्शन किया गया। सहायक रोजगार अधिकारी कोसली द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोसली, राजकीय आईटीआई कोसली तथा राजकीय महाविद्यालय कोसली में विद्यार्थियों को उनके व्यवसायिक लक्ष्य निर्धारण के बारे व उनके कैरियर को विभिन्न क्षेत्रों में निखारने के बारे में मार्गदर्शन किया गया। जिला में आयोजित किए गए व्यवसायिक मार्गदर्शन सप्ताह के तहत लगभग 950 विद्यार्थियों को विज्ञापित रिक्तियों, स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन दिया गया। विद्यार्थियों को ऑनलाइन पंजीकरण व अन्य सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी गई।

सांसद दीपेंद्र हुड्डा आज हथीन में कार्यकर्ता सम्मेलन में करेंगे शिरकत

हथीन/ : संसद सदस्य एवं सीडब्ल्यूसी सदस्य दीपेंद्र हुड्डा आज हथीन में विधायक चौधरी मोहम्मद इसराईल के निवास पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शिरकत करेंगे। इससे पूर्व वे हथीन विधानसभा क्षेत्र के गांव खोकियाका में स्वर्गीय रघुबीर सिंह खोकियाका के परिवार द्वारा आयोजित एक सामाजिक समारोह में भाग लेंगे। इसके पश्चात हथीन के विधायक चौधरी मोहम्मद इसराईल के निवास पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में भाग लेंगे। सम्मेलन में कार्यकताओं को संबोधित करने के उपरांत दीपेंद्र हुड्डा पहाड़पुर गांव में शाकिर हुसैन सरपंच के द्वारा आयोजित सामाजिक समारोह में भाग लेंगे।

न्यूड वीडियो कॉल के जरिए ब्लैकमेल कर ठगी के मामले में दो आरोपियों पर कसा शिकंजा

हथीन/रोबिन माथुर : साइबर क्राइम थाना पुलिस ने वीडियो कॉल के माध्यम से अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और 1.39 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में राजस्थान के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हारिश और अखलाख निवासी भरतपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार के अनुसार एक पीड़ित ने एनसीआरपी पोर्टल पर ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 24 जनवरी की रात उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आई। कॉल पर एक युवती ने चेहरा न दिखाते हुए आपत्तिजनक हरकतें कीं और उनकी वीडियो रिकॉर्ड कर ली। अगले दिन आरोपियों ने खुद को क्राइम ब्रांच अधिकारी बताते हुए वीडियो डिलीट कराने के नाम पर धमकाया और अलग-अलग बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर करवा लिए। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। कॉल डिटेल रिकॉर्ड और तकनीकी जांच में मोबाइल की लोकेशन राजस्थान के भरतपुर जिले में पाई गई। पुलिस ने पहले अखलाख को गिरफ्तार कर वारदात में इस्तेमाल मोबाइल फोन बरामद किया। पूछताछ में सामने आया कि ठगी की रकम हारिश के बैंक खाते में गई थी, जिसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपियों को आज पेश अदालत किया जा रहा है। साइबर ठगी के नेटवर्क से जुड़े किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ उठाएं पात्र परिवार : डीसी

-योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना

रेवाड़ी। हरियाणा सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के जरूरतमंद परिवारों की बेटियों और दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। डीसी अभिषेक मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है। उन्होंने सभी पात्र परिवारों से अपील की कि वे इस योजना का लाभ उठाएं और अपनी बेटियों के भविष्य को सुरक्षित और खुशहाल बनाएं। डीसी ने बताया कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की जाती है, जिसमें अनुसूचित जाति, विमुक्त जाति / टपरीवास जाति के लाभार्थियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 71,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है और

पिछड़े वर्ग और सामान्य वर्ग के व्यक्तियों (जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक हो) की बेटियों के विवाह पर 41,000/- अनुदान राशि दी जाती है। उन्होंने कहा सभी वर्गों की विधवा/ तलाकशुदा/ निराश्रित/अनाथ एवं निराश्रित बच्चे (जिनकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष या उससे कम हो) की शादी के लिए 51,000/- अनुदान राशि प्रदान की जाती है। इसके साथ-साथ इस योजना के तहत यदि विवाह में दोनों वर-वधू दिव्यांग हैं, तो उन्हें 51,000/- अनुदान राशि दी जाएगी। अगर केवल एक वर या वधू दिव्यांग है, तो 41,000/- की अनुदान राशि दी जाएगी जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये तक है। खिलाड़ी महिला (कोई भी जाति जिसकी पारिवारिक आय 1.80 लाख रुपये प्रति वर्ष या उससे कम हो) उन्हें 41,000/- की अनुदान राशि दी जाएगी। डीसी ने बताया कि योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदक को अपनी बेटी के विवाह के बाद 6 माह के भीतर विवाह पंजीकरण करवाना अनिवार्य है। योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया को सरल और सुगम बनाया गया है। आवेदक https://shaadi. haryana. gov.in पोर्टल पर जाकर विवाह पंजीकरण और मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के लिए आवेदन कर सकते है। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेले का शुभारम्भ

पटौदी। शिवरात्रि के पावन अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर द्वारा भव्य द्वादश ज्योतिर्लिंगम मेले का रिबन काटकर शुभारम्भ हुआ। पटौदी रामलीला मैदान में 5 फरवरी से 9 फरवरी तक चलने वाले मेले में परमात्मा शिव के सबसे प्रसिद्ध द्वादश ज्योतिर्लिंगम की झांकी लगाई गई है। साथ ही नशामुक्ति अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के लिए भी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस आध्यात्मिक मेले में आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को भारत के प्राचीन राजयोग की जानकारी दी जा रही है। मेले में भारतीय सनातन संस्कृति की अद्भुत झलकियों को सम्मिलित किया गया है। ज्योतिलिंगों के माध्यम से परमात्मा शिव के दिव्य कर्तव्यों के बारे में विस्तार से समझाया गया है। भारतीय संस्कृति में शिव और शक्ति

का विशेष गायन है। जिसकी छटा मेले के माध्यम से उकेरी गई है। मेले के उदघाटन सत्र में बोलते हुए ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी आशा दीदी ने आयोजन के प्रति अपना प्रेरक वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि मेले का उद्देश्य परमात्मा के सत्य स्वरूप की जानकारी देना है। शिवरात्रि के बारे में उन्होंने कहा कि रात्रि शब्द अज्ञान अंधकार का प्रतीक है। जब सृष्टि पर अज्ञान अपने चरम पर पहुंच जाता है और मानव पांच विकारों से ग्रस्त होकर बुरे कर्म करता है। तब ही परमात्मा का दिव्य अवतरण होता है। उन्होंने कहा कि केवल परमात्मा शिव की ही पूजा लिंग के रूप में होती है। लिंग वास्तव में ज्योति स्वरूप का प्रतीक है। परमात्मा शिव को ही सभी धर्मों के लोग ज्योति अथवा प्रकाश के रूप में मानते हैं। उन्होंने कहा अगर सभी लोग ये जान जाएं कि परमात्मा एक है। उसका असली नाम शिव है तो आपसी झगड़े सब खत्म हो जाएंगे।

पटौदी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में हुआ भव्य मेले का आयोजन
मेले में नशामुक्ति अभियान के तहत भी लोगों को किया जागरूक
आयोजन स्थल पर 36 फीट ऊंचा शिवलिंग मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा

कार्यक्रम में विशेष रूप से पटौदी के उप मंडल अधिकारी दिनेश कुमार एवं पटौदी जटौली मंडी नगर परिषद के अध्यक्ष प्रवीण ठाकरिया भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के सम्मानित व्यक्तियों सहित अनेक लोगों ने शिरकत की। कार्यक्रम में परमात्मा शिव का ध्वज लहराकर सबने एक दूसरे को शिव जयंती की बधाईयां भी दी। साथ ही जीवन में श्रेष्ठ मूल्यों को अपनाने की प्रतिज्ञा भी की गई।

ज्योति कुमारी एवं रामावतार एकलव्य ने ,उतीर्ण की नेट जेआरएफ की परीक्षा

रेवाड़ी। सेवा स्तंभ डॉ बी. आर. अम्बेडकर पार्क एवम लाइब्रेरी मॉडल टाउन रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष भगत सिंह बौद्ध एवं समस्त जिला इकाई ने ज्योति कुमारी पत्नी अमृत यादव गांव राजियाका ने ज्योग्राफी विषय में 186 अंक लेकर नेट परीक्षा उत्तीर्ण की।जिसका श्रेय ज्योति कुमारी ने अपनी सास मां कविता देवी एवं ससुर जसवंत सिंह के मार्ग दर्शन को दिया। जसवंत सिंह हरियाणा रोड़वेज से उपनिरीक्षक पद से सेवानिवृत है ।साथ ही रेवाड़ी से 65 वर्षीय श्री रामावतार एकलव्य जो हरियाणा सरकार से सेवानिवृत्त अधिकारी रहे है,उन्होंने सातवीं बार नेट जेआरएफ की परीक्षा उतीर्ण की है। सेवा स्तंभ जिला इकाई की तरफ से इनको व समस्त परिवार को बधाई एवम शुभकामनाएं दी गई । हम सब ऐसी कामना करते है कि भविष्य में भी ये ऐसे ही शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचाइयां हासिल करें।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में मेगा रोजगार मेला 10 को

युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग मंत्री गौरव गौतम होंगे मुख्य अतिथि

नारनौल। मण्डल रोजगार कार्यालय गुरुग्राम की ओर से 10 फरवरी को सुबह 10 बजे हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय जाट-पाली में मण्डल स्तर के एक मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इस रोजगार मेले में हरियाणा के युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता विभाग मंत्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेंगे। यह जानकारी देते हुए जिला रोजगार अधिकारी रणजीत सिंह रावत ने बताया कि इस रोजगार मेले में 30 से अधिक कम्पनियां भाग लेंगी। इसमें 10वीं, 12वीं, बीए, बीकॉम, बीएससी, बीटेक, बीसीए, बीबीए, बीफार्मा, एमए, एमकॉम, एमएससी, एमटेक, एमसीए, एमबीए, एमफार्मा व डिप्लोमा पास बेरोजगार प्रार्थियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाए जाएंगे। उन्होंने सभी इच्छुक प्रार्थियों से अनुरोध किया है कि वह अपने रोजगार कार्यालय का पहचान पत्र, योग्यता के दस्तावेज व रिज्यूम के साथ इस रोजगार मेले का अधिक-से-अधिक लाभ उठाएं। जिन प्रार्थियों का पंजीकरण रोजगार कार्यालय में नहीं है वह भी रोजगार विभाग के पोर्टल hrex.gov.in पर पंजीकरण करने उपरांत भाग ले सकते हैं। पंजीकरण रोजगार कार्यालय में भी करवा सकते हैं।

पत्रकारिता और जनसंचार में डॉ. मुकुट अग्रवाल ने किया नेट

रेवाड़ी । राष्ट्रीय कवि संगम रेवाड़ी के जिला अध्यक्ष एवं प्रखर रचनाकार, रेवाड़ी के अंसल-टाउन निवासी डॉ. मुकुट अग्रवाल ने राष्ट्रीय परीक्षा एंजेसी द्वारा यूजीसी नेट की पत्रकारिता और जनसंचार विषय मे परीक्षा उत्तीर्ण करके अपने परिवार व क्षेत्र का नाम रोशन किया। संगम के प्रेस प्रवक्ता लघुकथाकार योगेश कौशिक ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित केएलपी कॉलेज के पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में

गत 14 वर्षों तक असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएँ दे चुके, डॉ. मुकुट अग्रवाल ने परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की। इस उपलब्धि को हासिल करने में उनके पिता, गुरुजनों, मित्रों व परिवारजनों का विशेष सहयोग रहा। उन्होंने बताया कि हाल ही में मुकुट अग्रवाल ने 'हरियाणा की हिंदी पत्रकारिता के विकास में नित्य हलचल की भूमिका' विषय पर शोध संपन्न कर पीएचडी की मानद उपाधि प्राप्त की है जो किसी भी हिन्दी दैनिक सांध्य पर होने वाला विश्व का प्रथम शोधकार्य है। उनकी इस उपलब्धि पर राष्ट्रीय कवि संगम के अलावा बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण परिषद, केएलपी कॉलेज का पत्रकारिता विभाग, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, मित्रम, बंजारा तथा हमारा परिवार जैसे साहित्यिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक तथा सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने 13.91 करोड़ रुपये की विकास परियोजना का किया शिलान्यास

हिसार / हरियाणा सरकार में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने शुक्रवार को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण हिसार द्वारा सेक्टर-1 एवं 4, सेक्टर-3 एवं 5 तथा मिल गेट क्षेत्र में वर्षा जल निकासी व्यवस्था सहित समस्त विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया गया। इस महत्वपूर्ण विकास परियोजना पर 13.91 करोड़ रुपये की लागत आएगी। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि हरियाणा सरकार का लक्ष्य केवल बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि आम नागरिक के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए प्रभावी वर्षा जल निकासी व्यवस्था समय की मांग है और इन विकास कार्यों के पूरा होने के बाद हिसार के इन क्षेत्रों में चली आ रही समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप और निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार जनता के धन का उपयोग पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ कर रही है, ताकि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में हरियाणा सरकार प्रदेश के हर जिले और हर शहर में समान विकास सुनिश्चित कर रही है। शहरी विकास, सडक, जल निकासी, स्वास्थ्य एवं आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हो रहे हैं, जिससे हरियाणा विकास की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर खुशी जाहिर करते हुए कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का आभार जताया। नागरिकों का कहना था कि इन योजनाओं से न केवल जलभराव की समस्या समाप्त होगी, बल्कि क्षेत्र की सुंदरता, स्वच्छता और जीवन गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री ने मौके पर उपस्थित नागरिकों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, एचएसवीपी प्रशासक सुशील कुमार, अधीक्षक अभियंता पवन कुमार, कार्यकारी अभियंता भूपेन्द्र सिंह, पार्षद मनोहर लाल, जयप्रकाश, अभिषेक शर्मा, अजय जांगड़ा, कुलदीप सोनी, अजय खट्टर, भतेरी फगाना, रमेश नायक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं नागरिक उपस्थित रहे।

समाधान शिविर के दौरान 8 हजार 847 शिकायतों का हुआ समाधान,

हिसार / आमजन की समस्याओं के त्वरित निवारण के लिए आरंभ किए गए समाधान शिविर के दौरान अब तक जिला हिसार में कुल 8 हजार 847 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 5 हजार 859 शिकायतों का समाधान किया जा चुका है, 2321 शिकायतें विभागों द्वारा अस्वीकृत की गई, जबकि 667 शिकायतें वर्तमान में लंबित हैं। 332 शिकायतें नागरिकों के अनुरोध पर पुनः खोली गई है जबकि 41 शिकायतें विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन है। शुक्रवार को लघु सचिवालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार में हरियाणा सहकारिता विभाग की आयुक्त एवं सचिव आशिमा बराड़ की अध्यक्षता में आयोजित वीसी के माध्यम से समाधान प्रकोष्ठ की साप्ताहिक जिला समीक्षा बैठक के उपरांत उपायुक्त महेंद्र पाल ने यह जानकारी दी। बैठक के उपरांत उपायुक्त महेंद्र पाल ने बताया कि समाधान शिविर के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर सरकार की पैनी नजर है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में प्राप्त शिकायतों को औपचारिकता नहीं बल्कि जिम्मेदारी समझते हुए निपटारा किया जाए। उन्होंने कहा कि लंबित शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए तथा हर मामले में ठोस कार्रवाई सुनिश्चित हो। उपायुक्त महेंद्र पाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायत के निस्तारण के बाद उसकी एक्शन टेकन रिपोर्ट को तुरंत समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर अपलोड किया जाए। बिना एटीआर के किसी भी शिकायत को निस्तारित मान्य नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन विभागों द्वारा इस मामले में लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ जिम्मेदारी तय की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारी गंभीरता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना सुनिश्चित करें, ताकि समाधान शिविर में शिकायत लेकर पहुंचे नागरिकों को समय पर न्याय मिल सके। इस अवसर पर जिला कल्याण अधिकारी दीपिका सारसर, जिला परिषद की उप-मुख्य कार्यकारी अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल, एएमपी प्रदीप कुमार, डीएफसी अमित शेखावत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर 1.55 करोड़ की साइबर ठगी करने के मामले में तीन गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने वर्ष 2024 में गांव गुड़ियानी निवासी एक व्यक्ति से शेयर मोर्केट में निवेश के नाम पर 1.55 करोड़ रुपये की साइबर ठगी करने के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान गुजरात के जिला वडोदरा के दंतेश्वर के नीलकंठ रेसी, कम प्लाजा नीयर सन्तोषवादी निवासी प्रफुल्ल जगदीश बाविस्कर, जिला वडोदरा के महादेव नगर नीयर ज्योति नगर जदेश्वर रोड भरूच हाल आबाद विस्तीरिया हाइट वडोदरा निवासी राज महेंद्र भाई चौहान व जिला वडोदरा के रंजित नगर, नीयर सत्यनारायण सोसायटी दंतेश्वर निवासी शर्मा विवेक जगदीश के रूप में हुई है। जांचकर्ता ने बताया की 25 जुलाई 2024 को गांव गुड़ियानी निवासी दिनेश कुमार ने अपनी शिकायत में बताया था कि वह एक व्हाट्स एप ग्रुप से जुड़ा था। 27 जून 2024 को उसे एक एपीके फाइल मिली। ग्रुप एडमिन ने उसे फाइल डाउनलोड करने को कहा। डाउनलोड करते ही उसके मोबाइल फोन पर बार्लेज सिल नाम की कंपनी एप इंस्टाल हो गई। इसके बाद उसे ग्रुप पर शेयर मार्केट के शेयर दिखाकर इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा। पैसे लगाने के लिए उसे अलग-अलग खाता नंबर भेजने शुरू कर दिए। उसने एप को सही मानकर शेयर खरीदने के लिए सबसे पहले 28 जून को 5 हजार रुपये एक

खाता नंबर पर ट्रांसफर किए। उसने ग्रुप के सदस्यों से एप की हकीकत पता करने के लिए पूछताछ की, तो उन्होंने इसे सही ठहराते हुए कहा कि वह भी एप के माध्यम से शेयर खरीद रहे हैं। उसने 22 जुलाई 2024 तक दो दर्जन से अधिक ट्रांजेक्शन के जरिए 1करोड़ 55 लाख 7 हजार

रुपये बताए गए खातो में ट्रांसफर कर दिए। उसके एप खाते पर मोटा मुनाफा दिखाया गया, परंतु बाद में उसे पता चला कि उसके साथ साइबर ठगी हुई है। जिस पर पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी। जो जांच के बाद पुलिस ने वीरवार

को मामले में संलिप्त तीन आरोपी गुजरात के जिला वडोदरा के दंतेश्वर के नीलकंठ रेसी, कम प्लाजा नीयर सन्तोषवादी निवासी प्रफुल्ल जगदीश बाविस्कर, जिला वडोदरा के महादेव नगर नीयर ज्योति नगर जदेश्वर रोड भरूच हाल आबाद विस्तीरिया हाइट वडोदरा निवासी राज महेंद्र भाई चौहान व जिला वडोदरा के रंजित नगर, नीयर सत्यनारायण सोसायटी दंतेश्वर निवासी शर्मा विवेक जगदीश को गिरफ्तार किया है। प्रफुल्ल जगदीश बाविस्कर के बैंक खाते में ठगी के 40 लाख रुपये ट्रांसफर हुए थे, जबकि दो अन्य आरोपियों ने बैंक खाता मुहैया कराने के लिए मध्यस्थ की भूमिका अदा की थी। पुलिस ने तीन आरोपियों को पेश अदालत करके आरोपी राज महेंद्र भाई चौहान को पूछताछ के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है तथा दो अन्य आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस द्वारा इस मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी भी जल्द की जाएगी।

टी20 विश्वकप में आज अमेरिका पर जीत के साथ अपना अभियान शुरु करने उतरेगी भारतीय टीम

मुंबई (एजेंसी)। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम शनिवार को यहां टी20 विश्वकप के अपने पहले मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में 4-1 से जीत दर्ज की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिसका लाभ उसे मिलेगा। भारतीय टीम के पास अभिषेक शर्मा और ईशान किशन जैसी आक्रामक जोड़ी हैं। तिलक वर्मा की वापसी से भी टीम की बल्लेबाजी मजबूल हुई है। वहीं टीम की गेंदबाजी अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती पर आधारित रहेगी। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

कप्तान सूर्यकुमार भी इस साल की शुरुआत से ही फार्म में आ गये हैं जिसका भी लाभ टीम को मिलेगा। ईशान किशन ने विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर पिछले कुछ समय में जबरदस्त प्रदर्शन किया है। ईशान और अभिषेक शर्मा की जोड़ी भारतीय टीम को धमाकेदार शुरुआत दे सकती है।

टीम के पास हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे और अक्षर पटेल जैसे ऑल राउंडर हैं। रिंकू सिंह का फार्म में होना भी टीम के लिए सकारात्मक बात है। गेंदबाजी में बुमराह का साथ देने के लिए अर्शदीप सिंह भी हैं। हर्षित राणा हालांकि चोटिल होने के कारण इस मैच में नहीं रहेंगे। टीम के पास कुलदीप यादव और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है।

भारतीय टीम को अपने घरेलू मैदान का भी लाभ मिलेगा। इसके बाद भी वह अमेरिकी टीम को हल्के में नहीं लेगी। अमेरिकी टीम ने पिछली बार पाकिस्तान हराने के बाद सुपर आठ में भारतीय टीम को भी कड़ी टक्कर दी थी। अमेरिकी टीम ने पिछले साल 9 में से आठ मैच

जीते हैं और टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका में तीन सप्ताह के शिविर में भाग लिया है। ऐसे में उसे कमजोर नहीं माना जा सकता। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। अमेरिकी टीम की कप्तानी भारतीय मूल के मोनांक पटेल के पास है। उन्हें साइतेजा मुक्कमल्ला तथा मिलिंद कुमार से पूरा सहयोग मिला। वहीं गेंदबाजी में सौरभ नेत्रावलकर, हरमीत सिंह जैसे खिलाड़ी हैं।

टीम इस प्रकार है

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, इशान किशन, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, जसप्रित बुमरा, अर्शदीप सिंह और वरुण चक्रवर्ती।

अमेरिका : मोनांक पटेल (कप्तान/विकेटकीपर), स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर, एंड्रीज़ गौस, मिलिंद कुमार, संजय कृष्णमूर्ति, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, निश्थुश केनजिगे, सौरभ नेत्रावलकर और अली खान।

मंधाना को डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी के साथ ही मिला प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड

वडोदरा (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में स्मृति मंधाना की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने दूसरी बार खिताब जीत है। इस जीत के दौरान मंधान ने 87 रनों की आक्रामक पारी खेली जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। आरसीबी ने इससे पहले 2024 में डब्ल्यूपीएल का खिताब जीता है। आरसीबी को विजेता बनने पर 6 करोड़ का इनाम मिला। वहीं चौथी बार फाइनल में उपविजेता रही दिल्ली कैपिटल्स को 3 करोड़ का इनाम मिली। इसके अलावा स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर और सोफी डिवाइन को भी पांच-पांच लाख रुपये की इनामी राशि मिली है। मंधाना ने लीग में सबसे अधिक 377 रन बनाये। वहीं सोफी डिवाइन ने 17 विकेट के साथ पर्पल कैप जीती। युवा खिलाड़ी नंदनी शर्मा ने भी 17 विकेट लिए जिसके लिए उस भी उभरती हुई खिलाड़ी का इनाम मिला। सोफी को मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर और मोस्ट आईक्यू ऑफ द ईयर का इनाम मिला। नंदनी को साल की ईमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला। मुम्बई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस साल लीग में सबसे ज्यादा छक्के लगाए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को जीत पर 6 करोड़ की ईनामी राशि मिली जबकि उपविजेता दिल्ली को 3 करोड़ रुपये मिले। फेयर प्ले अवार्ड के तौर पर मुम्बई को पांच लाख का इनाम मिला है।

डब्ल्यूपीएल में सभी खिलाड़ियों को पांच लाख के इनाम दिये गये हैं। वहीं मैन ऑफ द मैच के लिए मंधाना हो ढाई लाख रुपये मिले हैं।

12 फरवरी के बाद भारत से खेलने तैयार हो जाएगा पाक : चेतन शर्मा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन शर्मा ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) 12 फरवरी के बाद भारत से खेलने को तैयार हो जाएगा। चेतन के अनुसार पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) का विश्वकप बहिष्कार का फैसला राजनीतिक है और इसमें बदलावा आना तय है। चेतन का ये बयान हैरानी भरा लगा है क्योंकि गत दिवस ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने साफ कर दिया कि उनकी टीम टी20 विश्वकप में खेलेगी पर भारतीय टीम के खिलाफ मैच का बहिष्कार करेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि पाकिस्तान के रुख में बदलाव होगा क्योंकि मैच न खेलने उसपर प्रतिबंध सहित कई अन्य प्रकार की कार्रवाई की जा सकती है। पाकिस्तान ने बांग्लादेश को विश्वकप से बाहर किये जाने के विरोध में विश्वकप से नाम वापस लिया है। चेतन ने कहा, 'बांग्लादेश के खिलाड़ियों की क्या गलती थी? कोई नहीं। ये सब राजनीति है. बांग्लादेश में 12 तारीख को चुनाव हैं। उसके बाद आप देखेंगे इस सामले में फैसला पलटेगा। पाक से एक बयान आएगा, जिसमें कहा जाएगा कि जनता की भावना को देखते हुए पाक टीम भारत से खेलेगी क्योंकि खेल को नुकसान नहीं होना चाहिये।' अभी का कड़ा रुख केवल बांग्लादेश चुनाव के कारण है। चुनाव के बाद शायद सेना प्रमुख भी कह दें कि खेल को राजनीति से दूर रखना चाहिए और मैच होना चाहिए।÷चयन समिति के पूर्व प्रमुख चेतन ने कहा कि बहिष्कार से सबसे अधिक नुकसान पाकिस्तान के खिलाड़ियों को हो रहा है। उन्होंने कहा, ÷ पाक बोर्ड ने अभी तक आईसीसी को कुछ भी औपचारिक रूप से नहीं बताया है। इस मामले से खिलाड़ी संश मे हैं।÷ वहीं पीसीबी जो भी करे, भारतीय टीम इस मैच के लिए तय समय पर कोलंबो पहुंचेगी। भारतय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी साफ कर दिया कि टीम कोलंबो जाएगी और मैच खेलेगी। उन्होंने कहा, 'हमारा रुख साफ है हमने खेलने से इंकार नहीं किया। आईसीसी ने जो कार्यक्रम तय किया है। हम उसका पालन करेंगे।÷ पाक टीम ये मैच नहीं खेलती है तो भारतीय टीम को वाकओवर के तौर पर दो अंक मिल जाएंगे।

बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास, सीएम नीतीश कुमार ने की तारीफ, सहवाग भी हुए गदगद

हरारे (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी की 80 गेंदों पर खेली गई 175 रनों की विशाल पारी की बदौलत भारतीय अंडर-19 पुरुष क्रिकेट टीम ने आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड के सामने 412 रनों का विशाल लक्ष्य रखा है। इस शानदार प्रदर्शन के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वैभव सूर्यवंशी को बधाई दी है। सीएम नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि आज अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे मैच में बिहार के क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है। वे अपनी मेहनत और प्रतिभा के बलबूते भारतीय क्रिकेट की एक नई उम्मीद बन गए हैं। मेरी शुभकामना है कि वैभव भविष्य में भारतीय टीम के लिए नया कीर्तिमान रचें और देश का नाम रौशन करें।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने लिखा कि बिहार की शान, भारत का गौरव - वैभव सूर्यवंशी! अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में 175 रनों की शानदार पारी खेलकर आपने न केवल बिहार का नाम रोशन किया, बल्कि पूरे देश को गर्व से सराबोर कर दिया है। आपकी मेहनत, लगन और प्रतिभा ने यह साबित कर दिया कि

बिहार के युवा किसी से कम नहीं हैं। आप हमारे लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। आपको इस शानदार उपलब्धि के लिए ढेरों बधाई एवं शुभकामनाएं! आगे भी ऐसे ही देश और प्रदेश का मान बढ़ाते रहें।

उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने लिखा कि बिहार का लाल वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत-इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे फाइनल मुकाबले में 80 गेंदों में 175 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर न सिर्फ हाईएस्ट स्कोर बनाया, बल्कि एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने और 55 गेंदों में सेकंड फास्टेस्ट सेंचुरी का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। बिहार से निकलकर

पूरी दुनिया में अपना नाम चमका रहा है

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदर्शन बिहार के युवाओं के लिए प्रेरणा है और यह संदेश भी कि प्रतिभा और मेहनत से बिहार का बेटा दुनिया में पहचान बना सकता है। वैभव आगे भी इसी तरह क्रिकेट के लिए नए कीर्तिमान रचें और बिहार एवं देश का गौरव बढ़ाते रहें। उनकी इस शानदार पारी के बाद, पूर्व क्रिकेटरों ने तुरंत उनकी उपलब्धि को सराहा और सोशल मीडिया पर अलग-अलग पोस्ट के जरिए उन्हें बधाई दी। इनमें वीरेंद्र सहवाग, इरफान पठान, इयान बिशप और माइकल वॉन शामिल थे।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने X पर एक पोस्ट में सूर्यवंशी की प्रशंसा करते हुए कहा, 'वैभव सूर्यवंशी ने 80 गेंदों में 175 रन बनाए। 15 चौके + 15 छक्के - बराबर चौके, बराबर छक्के, बराबर तबाही। सूर्यवंशी = सूर्य वंश से जन्मे। आज उन्होंने बिल्कुल सूर्यवंशी की तरह बल्लेबाजी की! धधकते हुए। बेकाबू। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने हर संभव कोशिश की। लेकिन आप सूर्य को नहीं रोक सकते। भारतीय क्रिकेट पर सूर्य उदय हो गया है! यह भविष्य की एक झलक है।'

मंधाना ने बुखार के बाद भी खेली डब्ल्यूपीएल की सबसे अच्छी पारी : कोच रंगराजन

वडोदरा (ईएमएस)। आरसीबी के कोच मलोलन रंगराजन ने कप्तान स्मृति मंधाना की शानदार बल्लेबाजी की सराहना की है। कोच ने कहा कि मंधाना ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) फाइनल की अब तक की सबसे अच्छी पारी खेली है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स से मिले 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मंधाना ने 41 गेंदों में 87 रन बनाकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से भी अधिक रहा। मंधाना ने अपनी इस पारी में 12 चौके और 3 छक्के लगाए। यह इस टूर्नामेंट के फाइनल की अब तक की सबसे आक्रामक पारी रही है। मंधाना की ये पारी इसलिए भी विशेष है क्योंकि ये उसने बीमार होने के बाद भी खेली। मंधाना को इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी मिला है।

कोच रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने डब्ल्यूपीएल फाइनल में अपनी सबसे बेहतरीन पारियों में से एक खेली। रंगराजन ने कहा कि मंधाना ने तेज़ बुखार से पीड़ित होने के बाद भी अच्छी पारी खेली। उन्होंने इसका प्रभाव अपनी पारियों पर नहीं होने दिया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मंधाना ने अपनी सबसे अच्छी पारियों में से एक फाइनल के लिए बचाकर रखी थी। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि हां, वह पिछले 12 महीनों से बहुत अच्छी फॉर्म में रही हैं। वह गेंद को अपने हिसाब से खेल रहीं थीं। मंधाना और जॉर्जिया के अर्धशतक और दोनों के बीच हुई शतकीय साझेदारी से आरसीबी ने डब्लयूपीएल फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से हराकर दूसरी बार खिताब जीत लिया।

चोटिल हर्षित राणा की जगह इस भरोसेमंद खिलाड़ी को मिली भारत की टी20 विश्व कप टीम में जगह

मुंबई। भारत के युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में घुटने की चोट के कारण शुक्रवार को टी20 विश्व कप से बाहर होना पड़ा और सूत्रों के मुताबिक उनकी जगह मोहम्मद सिराज को टीम में शामिल किया गया है। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने इससे पहले स्वीकार किया था कि इस 24 साल के गेंदबाज की स्थिति अच्छी नहीं लग रही। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) के विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार राणा की जगह टीम में साथी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है। सूर्यकुमार की बातों से पहले ही लगा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल इस गेंदबाज के लिए समय पर ठीक होना मुश्किल है। भारतीय टीम विश्व कप में अपना अभियान शनिवार को अमेरिका के खिलाफ शुरू करेगी। सूर्यकुमार ने शुक्रवार को मैच पूर्व संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'राणा को अभी बाहर नहीं किया गया है, हमारे फिजियो उनका आकलन कर रहे हैं, लेकिन उनके चोट की स्थिति अच्छी नहीं लग रही है।' सूर्यकुमार यादव ने हालांकि इसे ज्यादा बड़ी समस्या नहीं माना था। उन्होंने कहा, 'चिंता की बात नहीं है, हमारे पास कल (शनिवार) के लिए 11 खिलाड़ी हैं। यह हालांकि निश्चित रूप से एक बड़ा झटका होगा क्योंकि 15 खिलाड़ियों की टीम बहुत सोच-विचार के बाद बनाई जाती है और उसे भी काफी सोच-विचार के बाद ही शामिल किया गया था।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हम अलग-अलग संयोजन अपनाएंगे। हमारे पास इस टूर्नामेंट में सभी टीम के खिलाफ खेलने के लिए पर्याप्त खिलाड़ी और संयोजन मौजूद हैं। वह अगर उपलब्ध नहीं होते हैं, तो हमें उनकी कमी निश्चित रूप से खलेगी।' राणा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच में केवल एक ओवर डाला जिसमें उन्होंने 16 रन दिए और उसके बाद घुटने की चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए। राणा हालांकि भारत की शुरुआती एकादश का हिस्सा नहीं थे। उनका 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय में इकोनॉमी रेट भी 10.60 का है। वह हालांकि विशिष्ट परिस्थितियों में एक उपयोगी विकल्प साबित हो सकते थे। वह निचले क्रम में भी बल्ले से योगदान देने में सक्षम है। इसके साथ ही हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर भी मांसपेशियों में खिंचाव की समस्या से जूझ रहे हैं।

हेजलवुड टी20 विश्व कप से बाहर हुए: सीए

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्वकप से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड फिट नहीं होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के अनुसार हेजलवुड को टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह फिट नहीं होने के कारण बाहर कर दिया गया है। हेजलवुड को एशेज सीरीज शुरू होने से पहले ही शेफील्ड शील्ड के अंतिम मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके। रिकवरी के दौरान उन्हें एड़ी में भी समस्या हो गई, जिससे उनकी वापसी अभी संभव नहीं है। हेजलवुड पिछले साल 12 नवंबर के बाद से से ही मैदान से बाहर हैं। इसके बाद भी उन्हें विश्व कप तक फिट होने की उम्मीद में टीम में शामिल किया गया था हालांकि वह टीम के साथ श्रीलंका नहीं गये थे। वहीं अब चयनकर्ताओं ने कहा है कि उन्हें पूरी

तरह से फिट होने में समय लगेगा।

चयनकर्ता टोनी डोडमाइड ने कहा, हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर-8 स्टेज तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे पर इसमें उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। अभी अगर उन्हें उतारा जाये तो ये नुकसानदेह होगा।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हालांकि अभी हेजलवुड की जगह किसी नए खिलाड़ी के नाम की घोषणा नहीं की है। चयनकर्ताओं का कहना है कि शुरुआती मैचों के लिए टीम संतुलित है और आगे टूर्नामेंट की जरूरत और हालातों के हिसाब से फैसला होगा। हेजलवुड टी20 के बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उना रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने 2021 में यूएई में हुए टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 16 रन देकर 3 विकेट लिए थे। उन्होंने 20.44 की औसत और 7.57 की इकॉनमी रेट से 133 विकेट लिए हैं। ऐसे में उनकी कमी पूरी करना संभव नहीं होगा।

हेजलवुड के अलावा तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी चोटिल हैं। ऐसे में युवा ज़ेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस को टीम में रखा गया है। इसके अलावा ट्रैवलिंग रिजर्व के तौर पर सीन एबॉट शामिल किये गये हैं जो हेजलवुड की जगह ले सकते हैं।

वहीं अन्य खिलाड़ियों की बात करें तो नाथन एलिस और टिम डेविड ग्रुप चरण के लिए शामिल रहेंगे। ये दोनो भी हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे थे। वहीं स्पिनर एडम ज़म्पा के भी अगले सप्ताह कोलंबो में होने वाले पहले मैच से पहले फिट होने की संभावनाएं हैं। विश्वकप में टीम की कप्तानी मिचेल मार्श संभाल रहे हैं।

चीन से हारकर भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से बाहर

किंगदाओ (एजेंसी)। पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा। टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जिसे एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा। रक्षिता रामराज दूसरे एकल में शू वेन जिंग से 70 मिनट के मुकाबले में 14-21, 21-15, 17-21 से हार गई। भारत ने टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में म्यामांर को 5-0 से हराया था लेकिन थाईलैंड से 2-3 से हार गई थी। भारतीय पुरुष टीम क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया से खेलेगी।

नेपाल के दीपेंद्र के नाम है टी20 में सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड

मुम्बई। आईसीसी टी20 विश्वकप में रोहित पौडेल की कप्तानी में नेपाल की टीम उतरेगी। नेपाल को विश्व कप लिए ग्रुप-सी में रखा गया है। इस ग्रुप में इटली, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और स्कॉटलैंड की टीमें शामिल है। नेपाली टीम अपने चारों लीग मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेलेगी। उसका शुरुआती मुकाबला 8 फरवरी को इंग्लैंड से होना है। इसके बाद उसे इटली, वेस्टइंडीज का मुकाबला करना है। नेपाल की टीम के बल्लेबाज दीपेंद्र सिंह ऐरी के नाम क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज अर्धशतक का रिकार्ड दीपेंद्र के नाम है। दीपेंद्र ने हांगझोउ एशियन गेम्स 2023 में मंगोलिया के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में केवल 9 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। जो इस बार भी टूटना असंभव है। दाएं हाथ के बैटर दीपेंद्र के नाम टी20 मैच के दौरान एक ओवर में छह छक्के जड़ने का भी रिकार्ड है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में नेपाल की ओर से सबसे अधिक रनों का रिकार्ड भी इस खिलाड़ी के नाम है। दीपेंद्र ने 90 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 32.06 के औसत से 1956 रन बनाये हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और 10 अर्धशतक बनाये। इनके बाद कुशल भुरतेल और आसिफ शेख हैं, जिन्होंने अबतक 70 और 68 मैचों में क्रमशः 1807 एवं 1639 रन बनाए हैं।

मंगोलिया के खिलाफ उस मुकाबले में नेपाल ने तीन विकेट पर 314 रन बनाए थे, जो तब टी20 अंतरराष्ट्रीय का सबसे बड़ा स्कोर था हालांकि जिम्बाब्वे ने अक्टूबर 2024 में गाम्बिया के खिलाफ 344/4 का स्कोर बनाकर ये रिकॉर्ड तोड़ दिया था। गेंदबाजों की बात करें तो स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 इंटरनेशनल में नेपाल के सबसे सफल गेंदबाज हैं। संदीप ने 67 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 12.05 की औसत से 129 विकेट लिए है। नेपाली टीम ने अब तक 112 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं, जिसमें उसने 65 में जीत हासिल की जबकि 41 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। नेपाल की टीम टीम टी20 में वेस्टइंडीज, आयरलैंड और नीदरलैंड्स को भी हरा चुकी है!

टी20 विश्व कप के लिए अंपायिंग पैनल में रहेंगे गावस्कर, शास्त्री, सहित कई दिग्गज

दुबई। भारत और श्रीलंका में शनिवार से शुरु हो रहे आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए कमेंट्री पैनल की घोषणा कर दी गयी है। इसमें भारत से सुनील गावस्कर, रवि शास्त्री, रॉबिन उथप्पा, दिनेश कार्तिक और हर्षा भोगले रहेंगे। इसके अलावा कमेंट्री पैनल में ऑस्ट्रेलिया के एरोन फिंच, श्रीलंका के कुमार संगकारा, एंजेलो मैथ्यूज, वेस्टइंडीज के सैमुअल बद्री और कार्लोस ब्रेथवेट के अलावा दक्षिण अफ्रीका के टेंबा बावुमा रहेंगे। इस टूर्नामेंट में कुल 55 मैच खेले जाएंगे और इन सभी मुकाबलों में यही कमेंटेटर रहेंगे। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने के इरादे से उतरेगी। उसका लक्ष्य तीसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के साथ-साथ खिताब को बरकरार रखना है। भारतीय टीम को टूर्नामेंट का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। अक्टूबर 2023 के बाद से ही भारतीय टीम ने अपने पिछले 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से 48 में जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत पहले ही दिन 7 फरवरी को करेगी। ग्रुप स्तर में उसका पहला मुकाबला अमेरिका के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा।

कमेंटेटरों की पूरी सूची इस प्रकार है-

रवि शास्त्री, नासिर हुसैन, इयान स्मिथ, इयान बिशप, आरोन फिंच, दिनेश कार्तिक, कुमार संगकारा, सैमुअल बद्री, रॉबिन उथप्पा, कार्लोस ब्रेथवेट, इयोन मॉर्गन, वसीम अकरम, सुनील गावस्कर, मैथ्यू हेडन, रमीज राजा, डेल स्टेन, माइकल एथरटन, वकार यूनिस, साइमन डूल, शॉन पोलॉक, केटी मार्टिन, हर्षा भोगले, म्पुमेलेलो मबांगवा, नताली जर्मनोस, डैनी मॉरिसन, एलन विल्किंस, इयान वार्ड, मार्क हॉवर्ड, निक नाइट, अथर अली खान, कैस नायडू, बाजिद खान, रौनक कपूर, नायल ओब्रायन, प्रेस्टन मॉमसेन, एंड्रयू लियोनार्ड, रसेल अर्नोल्ड, रोशन अबेसिंघे, एंजेलो मैथ्यूज और टेम्बा बावुमा।

जरूरत पड़ी तो टी20 विश्व कप में भारत दो स्पिनरों को खिलाएगा: सूर्यकुमार यादव

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो भारत टी20 विश्व कप में दो स्पिनरों को खिलाने से संकोच नहीं करेगा। उन्होंने साथ ही वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव को लेकर चयन की उलझन को 'बहुत अच्छा सिरदर्द' बताया। कुलदीप और वरुण दोनों ने टी20 विश्व कप से पहले भारत की अंतिम श्रृंखला में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैच की टी20 सीरीज में हिस्सा लिया था। लेकिन दोनों को एक साथ केवल रायपुर में हुए दूसरे टी20 मैच में ही मौका मिला जिसमें भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज की।

अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप के अपने पहले मुकाबले से पहले मीडिया से बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा, 'यह एक अतिरिक्त फायदा है कि आपके पास इतने अच्छे गेंदबाज उपलब्ध हैं। लेकिन साथ ही आपको टीम संयोजन भी देखना होता है कि किस प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाफ किसे खिलाया जाए।' भारतीय कप्तान ने कहा, 'अगर जरूरत होगी कि हम दो स्पिनर या दो कलाई के स्पिनर को खिला सकते हैं तो हम निश्चित रूप से ऐसा करेंगे। लेकिन वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव जैसे विकल्प होना हमेशा अच्छा होता है। ये दुनिया के बेहतरीन स्पिनरों में से हैं और यह एक बहुत अच्छा सरदर्द है।'

सूर्यकुमार ने यह भी कहा कि टीम के पास दाएं हाथ के बल्लेबाजों की तुलना में बाएं हाथ के बल्लेबाज ज्यादा होना भी एक अच्छी परेशानी है। ईशान किशन के अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। जब उनसे पूछा गया कि क्या यह टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय है तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, 'क्या आप चौके-छक्के लगते हुए देखना पसंद नहीं करते?'

उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह एक अच्छी परेशानी है और इस पर जरूरत से ज्यादा बातचीत की जा रही है। इस स्तर पर जब आप बाएं हाथ के स्पिनरों या ऑफ स्पिनरों के खिलाफ काफी क्रिकेट खेल चुके हैं, आप इतना क्रिकेट खेल चुके हैं और इतना अभ्यास कर चुके हैं।' उन्होंने कहा, 'किसी भी दिन, चाहे स्पिनर गेंदबाजी कर रहा हो या तेज गेंदबाज और चाहे सामने दो बाएं हाथ के बल्लेबाज हों या दो दाएं हाथ के बल्लेबाज, आपका काम वही करना होता है जो टीम के लिए सबसे बेहतर हो और ऐसा ही हो रहा है।'

8 सब का सपना
हिंदी दैनिक
मनोरंजन
अमरोहा
शनिवार 07 फरवरी 2026
www.sabkasapna.com

फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज

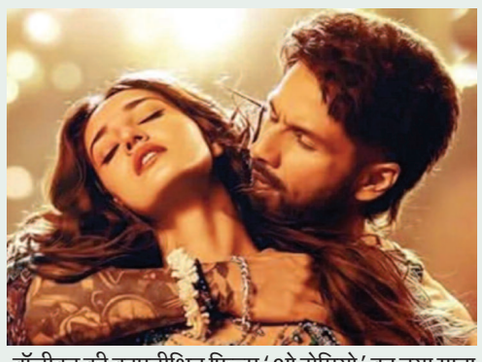

बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'ओ रोमियो' का नया गाना 'इश्क का फीवर' रिलीज कर दिया है। खास बात यह है कि इस गीत को अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज दी है। कुछ दिनों पहले ही अरिजीत ने प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने की घोषणा की थी, ऐसे में उनका यह नया गीत सुनना फैंस के लिए किसी सरप्राइज गिफ्ट से कम नहीं है। गाने का संगीत विशाल भारद्वाज ने तैयार किया है, जबकि इसके बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं। 'इश्क का फीवर' की शुरुआत फरीदा जलाल की एक प्रभावी लाइन से होती है, जो आगे चलकर एक खूबसूरत और रोमांटिक मेलोडी में ढल जाती है। गीत में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की कोमल केमिस्ट्री पूरे गाने की भावनाओं को और गहराई देती है। यह ऐसा गीत है जो धीरे-धीरे श्रोताओं के दिल में उतरता जाता है। टी-सीरीज के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध यह गाना वैलेंटाइन वीक के लिए एकदम परफेक्ट माना जा रहा है। अरिजीत सिंह की सुमधुर आवाज और गुलजार के भावपूर्ण बोल इस रोमांटिक समय के लिए एक खास एहसास लेकर आते हैं। रिलीज होते ही गीत को दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म 'ओ रोमियो' में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी के साथ अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, तमन्ना भाटिया और फरीदा जलाल जैसे दमदार कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से प्रेरित है। इसमें शाहिद कपूर माफिया डॉन हुसैन उस्तरा की भूमिका निभा रहे हैं, जबकि तृप्ति सपना उर्फ सपना दीदी के किरदार में दिखाई देंगी। हाल ही में फिल्म का एक और गाना 'हम तो तेरे ही लिए' रिलीज किया गया था, जिसमें शाहिद और तृप्ति के किरदारों के बीच रोमांस दर्शाया गया था।

रामायण में राजा दशरथ के किरदार में निभाएंगे अरुण गोविल

साल 1987 में टीवी पर प्रसारित रामानंद सागर के फेमस धार्मिक शो रामायण में सबसे ज्यादा प्रशंसा अरुण गोविल को मिली थी। अब अभिनेता अरुण गोविल एक बार फिर सुर्खियों में हैं, क्योंकि वह नितेश तिवारी की अपकमिंग फिल्म रामायण में राजा दशरथ के किरदार में नजर आएंगे। हाल ही में अरुण गोविल ने बताया कि किसी आईकोनिक किरदार की छवि दर्शकों की यादों में जब गहराई से बस जाती है, तो तुलना होना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा, जब कोई स्टैंडर्ड सेट होता है, तो तुलना हमेशा होती है। भगवान का रोल निभाने के लिए लुक बहुत जरूरी है। जब लोग आपको देखें, तो उन्हें आप में भगवान दिखें और वे सोचें, भगवान ऐसे हो सकते हैं। उनके इस बयान से साफ है कि वह फिल्म के लिए पूरी तरह तैयारी के साथ अपना किरदार निभा रहे हैं। फिल्म में भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर, रावण के रूप में यश, सीता के रूप में साई पल्लवी, भगवान हनुमान के रूप में सनी देओल और लक्ष्मण के रूप में रवि दुबे शामिल हैं। पहले लुक के सामने आने के बाद से फिल्म की तुलना रामानंद सागर के 1987 के टीवी शो से की जा रही है, और खासकर रणबीर कपूर के भगवान राम के लुक पर दर्शक और फैंस चर्चा कर रहे हैं। फिल्म को नमित मल्होत्रा के प्राइम फोकस स्टूडियो और डीएनईजी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है, जबकि यश के मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस ने वीएफएक्स में योगदान दिया है। इस महाकाव्य की पहली कड़ी दिवाली 2026 में आईमेक्स में रिलीज होगी, जबकि दूसरा हिस्सा दिवाली 2027 में देखने को मिलेगा। अरुण गोविल के राजा दशरथ के रूप में लौटने और इस स्टारकास्ट के साथ फिल्म के साथ जुड़ने से दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

किसी नए म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही अक्षरा सिंह

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भोजपुरी इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह कंडेसर माइक्रोफोन के सामने हाथ में कप लिए खड़ी नजर आ रही हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, रोज थोड़ा बेहतर बनने और सीखने की कोशिश। इस पोस्ट को देखकर फैंस अंदाजा लगा रहे हैं कि अभिनेत्री किसी नए गाने या म्यूजिक प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की उन कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग और गायिकी से लाखों दिल जीते हैं। हाल ही में उनका गाना बालम जी रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। कहा जाता है कि उनके माता-पिता भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे, जिससे अक्षरा ने इस क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने साल 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म सत्यमेव जयते से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह तबादला, सरकार राज और सत्या जैसी एक्शन-रोमांस फिल्मों के लिए जानी गईं। अक्षरा टीवी इंडस्ट्री में भी सक्रिय रही हैं और उन्होंने बिग बॉस ओटीटी, सर्विस वाली बहू, पोरस और काला टीका जैसे शो में काम किया है। अभिनेत्री जल्द ही निरहुआ के साथ फिल्म सात फेरे चार वचन और अम्बे है मेरी मां में नजर आएंगी। दोनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और जल्द ही ट्रेलर रिलीज होने वाला है, हालांकि फिल्म की रिलीज़ डेट अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा अक्षरा अपनी निजी जिंदगी और विवादों के कारण भी अक्सर चर्चा में रहती हैं। उनका नाम भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार पवन सिंह से जुड़ चुका है। अब फैंस उनकी अगली फिल्म और नए गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि अभिनेत्री अक्षरा सिंह सोशल मीडिया और अपने प्रोजेक्ट्स को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। उनके फैंस हर पोस्ट को लेकर काफी उत्साहित रहते हैं और उनकी एक झलक भी दर्शकों को नए प्रोजेक्ट का अंदाजा दे देती है।

'योगी दा' में साई धनशिका ने खुद किए दमदार स्टंट

अभिनेत्री साई धनशिका अपनी आने वाली फिल्म 'योगी दा' को लेकर सुर्खियों में हैं। साउथ सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेती इस एक्शन एंटरटेनर में दमदार स्टंट करती दिखाई देंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने एक इवेंट में बताया कि फिल्म में किए गए हर एक्शन सीक्वेंस उन्होंने बिना किसी बॉडी डबल के खुद पूरा किया है। उनका कहना है कि अगर महिलाएं ठान लें, तो वे किसी भी मामले में पुरुषों से पीछे नहीं हैं, खासकर स्टंट और एक्शन के मामले में। धनशिका ने कहा कि उनका पहला एक्शन अनुभव फिल्म 'पेरानमाई' में हुआ था, जिसने आगे चलकर उनकी काफी मदद की। 'योगी दा' में शूट किए गए सभी एक्शन सीन्स के दौरान उन्होंने खुद को लगातार चुनौती दी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि फिल्म का संदेश बेहद महत्वपूर्ण है आज महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, और समाज अक्सर यह मान लेता है कि शारीरिक चोट के बाद एक महिला फिर से पहले जैसी नहीं हो सकती। लेकिन यह फिल्म यह दिखाती है कि महिलाएं किसी भी दर्द और मुश्किल से उबरकर और अधिक मजबूत बनकर वापस खड़ी हो सकती हैं। अभिनेत्री ने फिल्म के शीर्षक की दिलचस्प कहानी साझा करते हुए कहा कि 'योगी दा' का नाम रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। धनशिका ने 'कबाली' में रजनीकांत की बेटी 'योगी' का किरदार निभाया था। वहीं से इस फिल्म के नाम और लुक की प्रेरणा मिली। उन्होंने बताया कि 'कबाली' के लिए उन्होंने अपने बाल कटवाए थे, जिसके बाद कई महिलाओं ने भी प्रेरित होकर ऐसा ही किया। इस अनुभव ने उन्हें महसूस कराया कि फिल्मों का प्रभाव लोगों की सोच और जीवन पर कितना गहरा हो सकता है। धनशिका ने अपनी टीम का आभार जताते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्थन के बिना यह फिल्म संभव नहीं थी। उनका मानना है कि कलाकार का असली परिचय उसके काम से होता है, और वही उनकी मेहनत को दर्शाता है। गौतम कृष्णा द्वारा लिखित और निर्देशित 'योगी दा' को श्री मोनिका सिनी फिल्म्स के बैनर तले सेंथिलकुमार ने प्रोड्यूस किया है।

भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं: रानी मुखर्जी

बॉलीवुड अभिनेत्री रानी मुखर्जी का कहना है कि भारतीय महिलाएं ही असली हीरो होती हैं। रानी का मानना है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी, तभी देश मजबूत बन पाएगा। वह हमेशा से अपनी फिल्मों के जरिए भारतीय महिलाओं को सकारात्मक और सशक्त छवि में प्रदर्शित करना चाहती हैं। अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'मर्दानी 3' में दमदार किरदार निभाकर रानी मुखर्जी इन दिनों चर्चा में है। एक खास चर्चा में रानी ने कहा, 'जब से मैंने इस इंडस्ट्री में कदम रखा है, मेरा मकसद हमेशा भारतीय महिलाओं को उनकी असली रोशनी में दिखाना रहा है। चाहे वह पत्रकार हों, पुलिस अधिकारी हों, शिक्षक हों या गृहणी मेरे लिए वे सभी वास्तविक जीवन की मर्दानी हैं।' उन्होंने कहा कि फिल्मों के माध्यम से वह दुनिया को बताना चाहती हैं कि भारतीय महिलाएं कितनी मजबूत, खास और हकदार हैं। रानी मुखर्जी के अनुसार, महिलाओं का सशक्तीकरण सीधे देश की शक्ति से जुड़ा है। उन्होंने कहा, 'जब भारतीय महिलाएं सशक्त होंगी, तो देश भी सशक्त होगा। इसलिए मैं हमेशा ऐसे किरदार चुनती हूं, जो महिलाओं की ताकत और हिम्मत को सामने लाते हैं।' अपने फिल्मी सफर की शुरुआत से ही रानी ने एक से बढ़कर एक प्रभावशाली महिला किरदार निभाए हैं। 'राजा की आएगी बारात' में रेप सर्वाइवर, 'मेहंदी' में सामाजिक अन्याय से लड़ने वाली महिला, 'हिचकी' में टॉरेट सिंड्रोम से जूझती अध्यापिका, 'मर्दानी' फ्रेंचाइज़ में निडर पुलिस अधिकारी शिवानी शिवाजी रॉय और 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में अपने बच्चों के लिए पूरा सिस्टम चुनौती देने वाली मां देबिका—ये सभी किरदार समाज में महिलाओं की हिम्मत और संघर्ष को सामने लाते हैं। रानी का कहना है कि हर भारतीय महिला के भीतर एक अनोखी 'सुपरपावर' होती है। 'भारतीय महिलाएं बेहद खूबसूरती से अपने कर्तव्यों का निर्वाह करती हैं, परिवार और करियर के बीच संतुलन बनाती हैं और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करती हैं। यही उनके भीतर छिपी वास्तविक शक्ति है,' उन्होंने कहा। नेशनल अवॉर्ड विजेता रानी मुखर्जी रोजमर्रा की जिंदगी में संघर्ष करने वाली महिलाओं को अपनी प्रेरणा मानती हैं। उन्होंने कहा, 'ये महिलाएं हर दिन हिम्मत के साथ आगे बढ़ती हैं और हर मुश्किल को पार करती हैं। मुझे अपने निभाए हर किरदार से प्रेरणा मिली है।' 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' की देबिका का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसी महिलाएं आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बन जाती हैं।

मेधा राणा के लिए 'बॉर्डर 2' बनी मील का पत्थर

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'बॉर्डर 2' के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा ने अपने भीतर चल रही असमंजस की जंग को जीतने की प्रक्रिया पर खुलकर बात की। अभिनेत्री मेधा ने बताया कि साल 2022 से अब तक उनके जीवन में सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में मैं अक्सर खुद को लेकर उलझन में रहती थी। मुझे लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मेरे भीतर असुरक्षा पैदा करते थे और आगे बढ़ने में बाधा डालते थे।' मेधा ने आगे बताया कि शुरुआती दिन बेहद चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने लगातार खुद पर शक किया और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थीं। इंडस्ट्री को समझने, अपने आप को पहचानने और परिस्थितियों को स्वीकारने का सफर उनके लिए लंबी सीख साबित हुआ। मेधा ने कहा, 'मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया। अब मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को सहजता से स्वीकार करती हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी।' उन्होंने 'बॉर्डर 2' को करियर का अहम मोड़ बताया। दर्शकों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया ने उनके भीतर नया भरोसा जगाया। उन्होंने कहा, 'जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। 'बॉर्डर 2' ने मुझे एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।' अभिनेत्री ने कहा कि अब वह अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर ज्यादा विश्वास करती हैं। यह आत्मविश्वास उनके जीवन की सबसे बड़ी ग्रोथ बन चुका है और उन्हें आगे बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है। मेधा का यह सफर बताता है कि आत्मस्वीकृति और मेहनत के साथ किसी भी कलाकार के लिए असमंजस को पार करना संभव है। मालूम हो कि फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार कैमरे के सामने मजबूत दिखते हैं, लेकिन अंदर चल रही लड़ाई को वे अक्सर छुपाते हैं।

शाजिया इकबाल की आलोचना से मचा बवाल

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर ने रिलीज़ के बाद दर्शकों का भरपूर प्यार हासिल किया और बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन इसी बीच एक जानी-मानी फिल्म निर्देशक की आलोचनात्मक टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी। निर्देशक शाजिया इकबाल ने फिल्म की अप्रत्यक्ष रूप से आलोचना करते हुए इसे 'बेहद घटिया फिल्म' बताया और आरोप लगाया कि फिल्म में नफरत और हिंसा को बढ़ावा देने वाले तत्व मौजूद हैं। उन्होंने दावा किया कि ऐसा अनजाने में नहीं, बल्कि जानबूझकर किया गया है। हालांकि, शाजिया ने यह भी स्वीकार किया कि तकनीकी रूप से फिल्म बेहतरीन है और इसका बैकग्राउंड म्यूजिक बेहद प्रभावशाली है। उनके इस मिश्रित समीक्षा वाले बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई यूज़र्स ने उनके बयान पर नाराज़गी जताई, वहीं कुछ ने इसे उनकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बताते हुए समर्थन किया। विवाद बढ़ने और लगातार ट्रोलिंग होने के बाद शाजिया इकबाल ने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट कर लिया। यह कदम साफ संकेत देता है कि ऑनलाइन आलोचना और विवाद ने उन पर असर डाला है। वहीं, फिल्म के समर्थक अब भी रणवीर सिंह और मेकर्स की तारीफ करते नजर आ रहे हैं, जबकि इस विवाद ने सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर नई चर्चा छेड़ दी है।

बचपन में जैकी श्रॉफ के लिए दो वक्त की रोटी का इंतजाम था मुश्किल

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ ने 69वां जन्मदिन मनाया। जैकी यानि की बॉलीवुड के 'भिडू' का सफर फिल्मों से कहीं ज्यादा दिलचस्प और संघर्षों से भरा रहा है। मुंबई की एक चॉल में पले-बढ़े जैकी का बचपन बेहद कठिनाइयों में गुजरा। परिवार की आर्थिक हालत इतनी कमजोर थी कि दो वक्त के भोजन का इंतजाम भी मुश्किल से होता था। जैकी के पिता काकूभाई श्रॉफ एक बिजनेसमैन थे, लेकिन घाटा लगने पर उन्होंने ज्योतिष का काम शुरू किया। वे जानते थे कि उनका बेटा जयकिशन काकूभाई श्रॉफ (जैकी) एक दिन बड़ा सितारा बनेगा, मगर गरीबी ने जैकी का विश्वास तोड़ दिया था। जैकी पढ़ाई में रुचि नहीं रखते थे। 7 साल की उम्र में पहली बार मां के कहने पर स्कूल गए, लेकिन पढ़ाई से हमेशा दूरी बनाकर रखी। एक बार उन्होंने पिता से पढ़ाई छोड़ने की इच्छा जताई तो पिता ने सहजता से कहा, 'कोई बात नहीं, वैसे भी तुम्हें एक्टर बनना है।' यह बात जैकी के दिल में बस गई।
जीवनयापन के लिए जैकी ने कई छोटे-मोटे काम किए कभी मूंगफली बेची, कभी ताज होटल में शेफ का काम किया और कभी विज्ञापन एजेंसी में नौकरी की। इस संघर्षभरे दौर में बस स्टैंड पर एक अजनबी ने उनकी पर्सनैलिटी की तारीफ करते हुए उन्हें मॉडलिंग करने की सलाह दी। यही सलाह उनके जीवन का बड़ा मोड़ बनी। उन्होंने नेशनल एडवरटाइजिंग कंपनी का पहला मॉडलिंग प्रोजेक्ट हासिल किया और 7,500 रुपये कमाए, जो उस समय उनके लिए बड़ी रकम थी। कुछ मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स के बाद जैकी की मुलाकात देव आनंद से हुई और उन्हें 1982 की फिल्म 'स्वामी दादा' में पहला रोल मिला। हालांकि यह भूमिका छोटी थी, लेकिन इसी बीच उन्हें सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' में लीड रोल का बड़ा मौका मिला। शूटिंग के दौरान एक गंभीर दुर्घटना में उनकी नाक और जबड़ा टूट गया, लेकिन निर्देशक सुभाष घई ने उनका साथ नहीं छोड़ा और पूरी फिल्म उनके साथ मिलकर पूरी की।
'हीरो' के बाद जैकी श्रॉफ एक सुपरस्टार बन चुके थे। उन्होंने 'आज का दौर', 'युद्ध', 'कर्मा', 'त्रिमूर्ति', 'लज्जा', 'काश' और 'दिल ही तो है' जैसी सफल फिल्मों में बेहतरीन भूमिकाएं निभाईं। उनकी सहज अदाकारी, स्टाइल और सरल स्वभाव ने उन्हें दर्शकों का 'जैकी दादा' बना दिया। आज जैकी श्रॉफ मनोरंजन जगत के सबसे सम्मानित और प्रिय कलाकारों में से एक हैं एक ऐसा सितारा जिसने गरीबी, संघर्ष और हादसों को मात देकर हिंदी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई। बता दें कि हिंदी सिनेमा में कई ऐसे कलाकार हुए जिन्होंने न केवल अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीता, बल्कि अपनी स्टाइल और व्यक्तित्व से युवाओं के लिए फैशन आइकॉन भी बने। इनमें सबसे चमकता नाम है बॉलीवुड के 'भिडू', यानी जैकी श्रॉफ का।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।